छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 288 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 14 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

'कबरा कान हाथी' का रेस्क्यू तेज, कुमकी हाथी 'तीरथ-दुर्योधन' मैदान में

रायपुर से पहुंचे एक्सपर्ट, इधर हाथियों के चिंघाड़ से दहल रहा इलाका







सायर बाजार के पीछे जंगल में डटा 18 हाथियों का दल, ड्रोन से मिला लोकेशन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में दहशत का पर्याय बन चुके 'कबरा कान हाथी' को पकड़ने के लिए वन विभाग ने बड़ा ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पिछले 6 महीने में 19 लोगों की जान ले चुका यह जंगली हाथी फिलहाल उदयपुर वन परिक्षेत्र के जंगलों में विचरण कर रहा है। इसे पकड़ने के लिए 2 ट्रेंड कुमकी हाथियों तीरथ और दुर्योधन को मैदान में उतारा गया है। 18 हाथियों का एक बड़ा दल सायर बाजार के पीछे वाले जंगल में डटा हुआ है। वन विभाग को ड्रोन सर्वे में थर्मल इमेज के जरिए हाथियों के दल का लोकेशन मिला है।

जंगल में हाथियों के आपस में लड़ने के दौरान जोर-जोर से चिंघाड़ने की आवाजें आ रही हैं, जिससे आसपास के गांवों में दहशत फैल गई है। हाथियों की चिंघाड़ इतनी तेज है कि दूर-दूर तक सुनाई दे रही है और ग्रामीण घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं। इधर कबरा कान हाथी को ट्रैंक्विलाइज करने के लिए रायपुर से आई विशेषज्ञ टीम के साथ वन विभाग का अमला लगातार इलाके में पैनी नजर बनाए हुए है। थर्मल ड्रोन से पूरे दल की मूवमेंट ट्रैक की जा रही है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो और ग्रामीणों को सुरक्षित रखा जा सके। वन विभाग ने आसपास के ग्रामीणों से जंगल की ओर न जाने और सतर्क रहने की अपील की है।

वन विभाग के मुताबिक, बुधवार रात से गुरुवार शाम के बीच इस हाथी ने 2 महिलाओं को कुचलकर मार दिया था और एक अन्य महिला को घायल कर दिया था, इसके बाद विभाग ने उसे ट्रैंक्विलाइज करने का फैसला लिया है। वन विभाग की कार्ययोजना के अनुसार कुमकी हाथी 'तीरथ' की मदद से कबरा कान हाथी को जंगल में ट्रैक किया जा रहा है। ड्रोन कैमरों से भी उसकी लोकेशन पर नजर रखी जा रही है। एक बार लोकेशन कन्फर्म होते ही दूसरे कुमकी हाथी 'दुर्योधन' की मदद से एक्सपर्ट टीम उसे बेहोश करने के बाद रेस्क्यू करेगी। करीब 5 साल पहले बिगड़ैल हाथियों को कंट्रोल करने के लिए कर्नाटक से 5 कुमकी हाथियों को सरगुजा लाया गया था। इन्हीं में से दो को इस खतरनाक ऑपरेशन में लगाया गया है।

10 दिन में 7 की मौत, गांवों में दहशत

कबरा कान हाथी का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि पिछले 10 दिनों में ही वह 7 लोगों की जान ले चुका है। इनमें से 6 मौतें सूरजपुर जिले में और एक मौत सरगुजा जिले में हुई है। इसके अलावा वह बलरामपुर जिले में भी कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। लगातार हो रही मौतों से उदयपुर अंचल के ग्रामीणों में भारी दहशत है। शाम होते ही लोग घरों में दुबकने मजबूर हैं, इसके बाद भी खतरे का साया मंडराते रहता है। डीएफओ के नेतृत्व में वन विभाग का पूरा अमला उदयपुर के जंगल में कैंप किए हुए है और हाथी की हर मूवमेंट पर नजर रख रहा है।

नशे में बाइक चलाना पड़ा महंगा, कोर्ट ने लगाया 15 हजार जुर्माना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए सरगुजा पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। यातायात नियम तोड़ने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना बतौली पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव और बिना लाइसेंस के वाहन चलाने वाले एक युवक के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि थाना बतौली टीम द्वारा चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को रोका गया। चालक नशे में धुत पाया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सत्यनारायण ठाकुर पिता ठाकुर राम, 29 वर्ष, निवासी नवापारा, थाना दरिमा बताया। मेडिकल मुलाहिजा कराने पर चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। साथ ही उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 (शराब पीकर वाहन चलाना) और धारा 3/181 (बिना लाइसेंस) के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला न्यायालय में पेश किया। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने वाहन चालक को 15,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक विवेक सेंगर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रहे।

प्रदेशभर में लाखों लोगों का नाम राशनकार्ड से कटा

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सरकार को घेरा, कहा-सरगुजा जिले में 29 हजार प्रभावित



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में प्रेस से चर्चा करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने राशन कार्ड कटौती व धान खरीदी को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा सरगुजा जिले में लगभग 29 हजार राशन कार्डधारी प्रभावित हुए हैं, प्रदेश में यह आंकड़ा लाखों में जाना चाहिए। कोई न कोई बहाना बना कर, नाम काटे जा रहे हैं, जबकि घर-घर जाकर सत्यापन करने की बात कही जाती है।

टीएस सिंहदेव ने अपने पीएसओ राजेश पैकरा का उदाहरण देते हुए बताया कि इनके घर भी कर्मचारी फोटो वेरिफिकेशन के लिए आए थे। उनके राशन कार्ड में 4 लोगों का नाम था। सत्यापन के बाद खुद राजेश पैकरा, उनकी पत्नी, एक बच्चे का नाम कट गया, सिर्फ एक बच्चे का नाम बचा। सब जगह यही स्थिति है। जिसको 35 किलो मिल रहा था, अब 10 किलो मिल रहा है, किसी का राशन शून्य हो गया है। उन्होंने कहा कि राशन दुकानों की व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है। चना 6 महीने से नहीं मिल रहा है, शक्कर कम से कम 2 महीने से कईयों को नहीं मिला है। राशन दुकानों में शक्कर कहीं पर्याप्त आ रहा है तो कहीं नहीं। शासन की व्यवस्था नियंत्रण के बाहर है। सिंहदेव ने कहा कि विपक्ष के तौर पर हमारा पहला काम सड़क पर उतरना नहीं है। पहले हम जांच कर रहे हैं कि लोगों द्वारा बताई गई बात सही है या गलत। अगर गलत है तो सुधार करिए। सुधार नहीं करोगे और लोग सड़कों पर आएंगे तो फिर कांग्रेस आंदोलन करेगी। इस दौरान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, अजय अग्रवाल, निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद, पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता, डॉ. जेपी श्रीवास्तव, इंद्रजीत सिंह धंजल, दीपक मिश्रा, इरफान सिद्दीकी सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

कर्ज में डूबा किसान फोन करके बोला-आत्महत्या कर लूंगा

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने धान खरीदी और गिरदावरी में गड़बड़ी को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने एक बड़े किसान और सरपंच द्वारा किए गए फोन का हवाला देते हुए कहा कि, उन्होंने बताया पिछले साल उन्होंने धान दिया, इस साल जीरो बताया जा रहा है। पटवारी हड़ताल पर हैं, और किसने कितने एकड़ या रकबा में धान लगाया, इसकी रिपोर्ट ही नहीं दी गई है। किसान ने रोते हुए कहा बाबा, एक लाख से ज्यादा हमने कर्जा ले रखा है, मैं तो आत्महत्या कर लूंगा। ऐसे हालात सामने आ रहे हैं और 15 नवम्बर से धान खरीदी की तैयारी में प्रशासन लगा है। ऐसे कई किसानों ने उनसे संपर्क करके आपबीती को साझा किया है। एक सरकार के काम करने की अक्षमता के चलते आदमी आत्महत्या करने की सोच रहा है। आदमी इतने दबाव में है कि उसे लग रहा है कहीं भी जाऊंगा, कोई सुनने वाला नहीं, ठीक करने वाला नहीं, क्योंकि कोई जवाब ही नहीं दे रहा।

पटवारी हड़ताल पर, कईयों का हो गया रकबा शून्य

टीएस सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का 4 एकड़ भूमि पोर्टल से गायब है। उनके परिवार से छोटे बाबा और स्वयं उनका 30 एकड़ से अधिक भूमि का रकबा शून्य हो गया। गांव-गांव से फोन आने पर वे खुद बता रहे हैं, आप ही नहीं धान के पैदावार के मामले में शासन के रिकार्ड में उनके परिवार का रकबा भी शून्य है। उन्होंने कहा शासन के द्वारा धान खरीदी के तय मापदंड के अनुसार धान के पैदावार की प्रमाणिकता पटवारियों को करना है, लेकिन पटवारी हड़ताल में हैं। सरकार का कहना है कि खेत के कोने-कोने में खड़ा होकर उपज रकबा का वास्तविक आंकड़ा देना है। इधर अन्नदाताओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए किसी प्रकार की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं करने से किसान पशोपेश में हैं। सरकार को इससे कोई लेनादेना नहीं है। कार्यालय में जाने पर जिम्मेदार भी हाथ खड़ा कर रहे हैं।?टोकन की सीमाएं अव्यवहारिक हैं। धान खरीदी के लिए सरकार के द्वारा तय की गई राशि को भी उन्होंने सवालों के घेरे में लिया। उन्होंने कहा कि सरकार न गिरदावरी ठीक कर रही है, न धान उठाव की तैयारी कर रही है, किसान भगवान भरोसे हैं।

कंप्यूटर देवता की करनी से राशन उपभोक्ता परेशान

टीएस सिंहदेव ने कहा जोड़-घटाव, भाग-गुणा करना है तो कैलकुलेटर मदद करता है। पर आपको नहीं पता कि किस चीज को किससे गुणा करना है, किसको भाग देना है, तो कैलकुलेटर गलत नतीजा ही देगा। इसी तरह अगर कंप्यूटर में जानकारी ही गलत या अधूरी डाली जाएगी तो नतीजा गलत मिलेगा। जिस हितग्राही को बेहतर सुविधा देनी है, वो वंचित हो जाएगा। सरकार कानूनी अधिकारों से लोगों को वंचित कर रही है। उन्होंने कुछ ग्रामों का उदाहरण देते हुए बताया कि सरगुजा के कांतिप्रकाशपुर, कंठी, टपरकेला, मानिकप्रकाशपुर गांव में सैकड़ों राशनकार्ड धारकों को झटका लगा है, जो केंद्र के इशारे पर हैदराबाद के कंप्यूटर देवता के प्रकोप का परिणाम है। सुविधा देने के बजाए खाद्यान्न गारंटी के अधिकार को छीना जा रहा है। ऐसे भी उपभोक्ता हैं, जिन्होंने बीते माह राशन प्राप्त किया, लेकिन अभी राशन शून्य हो गया है। पारदर्शिता ऐसी है कि अधिकारियों को भी नहीं पता कि उपभोक्ता का राशन अचानक शून्य कैसे हो गया।

नगर पंचायत के सीएमओ से मारपीट, बचने के लिए पानठेला में घुसे

सियासी जंग हाथापाई तक पहुंची, मंत्री के दखल के बाद टला हड़ताल का संकट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर पंचायत लखनपुर में पिछले 2 साल से चल रही कागजी लड़ाई अब सड़क पर मारपीट में बदल गई है। शुक्रवार को शहर के प्रतीक्षा बस स्टैंड में मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी के साथ गाली-गलौज और हाथापाई का मामला सामने आया है। आरोप नगर पंचायत उपाध्यक्ष के पति सनी बंसल पर लगा है।

बताया जा रहा है कि आगामी छठ पर्व को लेकर सीएमओ विद्यासागर चौधरी शहर में साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेने निकले थे। इसी दौरान बस स्टैंड पर उनकी मुलाकात नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा बंसल के पति सनी बंसल से हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, निर्माण कार्यों और शिकायतों को लेकर दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते मामला गाली-गलौज और धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। आरोप है कि सनी बंसल ने सीएमओ पर हाथ उठा दिया, इसके बाद सीएमओ को जान बचाने के लिए पास के एक पान ठेले में घुसना पड़ा। दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद बस स्टैंड में हड़कंप मच गया। घटना के बाद दोनों ही पक्ष लखनपुर थाने पहुंचे और एक-दूसरे के खिलाफ आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कर्मचारियों में उबाल, मंत्री ने संभाला मोर्चा

सीएमओ के साथ मारपीट की खबर फैलते ही नगर पंचायत के कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया और वे हड़ताल पर जाने की तैयारी में थे। ऐन छठ महापर्व के मौके पर नगर के कामकाज ठप होने की नौबत आ गई थी। बताया जा रहा है कि मामले की जानकारी लगते ही पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने हस्तक्षेप कर कर्मचारियों को समझाया, इसके बाद मामला शांत हुआ। उल्लेखनीय है कि लखनपुर नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पक्ष और सीएमओ के बीच निर्माण कार्यों को लेकर लंबे समय से आरोप-प्रत्यारोप और शिकायतों का दौर चल रहा है। पहले यह लड़ाई फाइलों तक सीमित थी, लेकिन अब सड़क पर आ गई है। ऐसे में नगर में चर्चा जनहित के मुद्दों का समाधान नियम-कायदों से नहीं हो प ने की भी हो रही है।

24 घंटे ड्यूटी, परिवार के लिए आवास नहीं, टीएस सिंहदेव ने उठाई छात्रावास अधीक्षकों की समस्याएं

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले बच्चों के मेस भत्ते में बढ़ोतरी की मांग की है। उन्होंने कहा है कि पिछले तीन साल से बच्चों के भोजन और नाश्ते के लिए तय राशि में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जबकि इस दौरान खाद्य सामग्री की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में मौजूदा राशि में बच्चों को पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। सिंहदेव ने छात्रावास अधीक्षकों की कामकाज से जुड़ी परेशानियों का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि अधीक्षकों को 24 घंटे ड्यूटी करनी पड़ती है। उन्हें न तो पर्याप्त छुट्टी मिलती है और न ही छात्रावास परिसर में परिवार के साथ रहने की सुविधा है। उन्होंने मांग की है कि अधीक्षकों के परिवारों के रहने के लिए छात्रावास से अलग आवास बनाए जाएं। सिंहदेव ने पत्र में लिखा है कि छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के बच्चों के भोजन की राशि में तीन साल से बढ़ोतरी नहीं हुई है। इस दौरान दाल, चावल, खाद्य तेल, सब्जियों, मसालों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। इसका सीधा असर भोजन व्यवस्था पर पड़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि कम राशि के कारण बच्चों को सुबह का नाश्ता और दोनों समय पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराना व्यावहारिक रूप से मुश्किल होता जा रहा है। इसका असर बच्चों के स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और पढ़ाई पर भी पड़ सकता है। सिंहदेव ने छात्रावासों के मेस बजट में ।रू्क पोर्टल के जरिए होने वाली कटौती पर भी सवाल उठाए हैं। पत्र के मुताबिक, किसी विद्यार्थी की एक-दो दिन की अनुपस्थिति के आधार पर मेस बजट में कटौती कर दी जाती है, जबकि सामूहिक रसोई में गैस, मसालों और रसोइयों का खर्च लगभग स्थिर रहता है। उन्होंने मांग की है कि न्यूनतम 24 दिन की उपस्थिति पर पूरा मेस बजट स्वीकृत किया जाए, ताकि भोजन व्यवस्था प्रभावित न हो। पत्र में सिंहदेव ने कहा है कि छात्रावास अधीक्षकों की ड्यूटी 24 घंटे की होती है। उन्हें छुट्टी नहीं मिलती और परिवार के सदस्यों को छात्रावास में रहने की अनुमति भी नहीं है। उन्होंने अधीक्षकों के परिवार के लिए छात्रावास परिसर से अलग आवासीय भवन बनाने का सुझाव दिया है, ताकि वे परिवार के साथ रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

सिंहदेव ने छात्रावासों के सुचारू संचालन के लिए अन्य मांगों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। इनमें बर्तन, सफाई सामग्री, प्राथमिक उपचार और आकस्मिक खर्च के लिए पर्याप्त बजट, ऑनलाइन उपस्थिति के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा, शिक्षक संवर्ग के प्रभारी अधीक्षकों को टीएसके ऐप की अनिवार्यता से छूट और अधीक्षक संवर्ग के कैडर पुनर्गठन की मांग शामिल है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को प्राथमिकता देते हुए मेस भत्ते में महंगाई के अनुरूप तत्काल बढ़ोतरी करने और अधीक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभाग को निर्देश देने का आग्रह किया है।

नालसा के निर्देश पर सरगुजा में मनाया गया विधिक सेवा सप्ताह

गांव-गांव तक न्याय का संदेश पहुंचाने 9 दिनों में 12 से अधिक शिविरों का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देश और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सरगुजा द्वारा 04 से 12 नवंबर तक विधिक सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विद्यार्थियों और समाज के वंचित वर्गों को उनके कानूनी अधिकारों और नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान 9 दिनों में 12 से अधिक शिविरों का आयोजन किया गया। सप्ताह भर जिले के शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों, साप्ताहिक बाजारों और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाए गए। इसका शुभारंभ 04 नवंबर को पैरा लीगल वालंटियर्स की बैठक लेकर नालसा, सालसा, डीएलएसए और तालुका समितियों की भूमिका, कार्यप्रणाली और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और अंतिम व्यक्ति तक प्रचार करने के लिए प्रेरित किया गया। 05 नवंबर को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल केदारपुर और शासकीय पीजी कॉलेज अंबिकापुर में विद्यार्थियों को विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका के बारे में बताया गया। 06 नवंबर को सरगांव-डिगमा के साप्ताहिक बाजार में ग्रामीणों को कानून की जानकारी दी गई। 07 से 09 नवंबर तक मनेन्द्रगढ़ रोड, नेकी की दीवार, थाना चौक और बाबूपारा में शिविर लगाकर आम लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। 11 नवंबर को सीतापुर क्षेत्र में नि:शुल्क विधिक सहायता और न्याय प्राप्त करने के माध्यमों की जानकारी दी गई। 12 नवंबर को अंतिम दिन शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पुलिस लाइन, रामपुर और माध्यमिक शाला कटनीपारा सीतापुर में विशेष शिविर आयोजित हुए। समापन अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव लीनम बनसोडे ने पुलिस लाइन स्कूल में विद्यार्थियों को विधिक अधिकारों, नि:शुल्क सहायता और लोक अदालतों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसी के साथ सप्ताह का विधिवत समापन हुआ।

हेल्पलाइन 15100 की दी जानकारी-सभी शिविरों में नागरिकों को नालसा की राष्ट्रीय नि:शुल्क हेल्पलाइन 15100 के बारे में बताया गया, जिसके माध्यम से कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति नि:शुल्क कानूनी सलाह और सहायता प्राप्त कर सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि प्राधिकरण का उद्देश्य सिर्फ कानून की जानकारी देना नहीं, बल्कि आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित लोगों को संस्थागत मदद से जोड़ना है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

करवां के भानु प्रताप राजवाड़े ने एमडी मेडिसिन क्लियर कर बने डॉक्टर



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छोटे से ग्राम पंचायत करवां से निकले डॉ. भानु प्रताप राजवाड़े ने मेडिकल की दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने एमबीबीएस के बाद एमडी मेडिसिन की परीक्षा सफलतापूर्वक पास कर ली है और एमसीआई और एनएमसी की सभी औपचारिकताएं पूरी कर डॉक्टर बन गए हैं। डॉ. भानु प्रताप राजवाड़े कालरीकर्मी अमर साय राजवाड़े के सुपुत्र हैं। डॉक्टर भानु प्रताप राजवाड़े ने सालों की मेहनत, लगन और परिवार के समर्थन से यह मुकाम हासिल किया है। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र के लिए एमबीबीएस के बाद एमडी मेडिसिन पास करना आसान नहीं होता, लेकिन भानु प्रताप ने साबित कर दिया कि इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से बड़े सपने भी पूरे किए जा सकते हैं। स्थानीय लोगों में इस खबर से खुशी की लहर दौड़ गई है। डॉक्टर भानु प्रताप राजवाड़े के उज्ज्वल भविष्य की कामना लोग कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर सख्त, वीएसके ऐप पर हाजिरी अनिवार्य

★ कलेक्टर की दो टूक : वीएसके ऐप पर हाजिरी अनिवार्य, बिना सूचना अनुपस्थिति पर होगी नियमानुसार कार्यवाही
★ वीएसके ऐप पर रोज़ हाजिरी अनिवार्य, बीईओ स्वयं लॉगिन कर करेंगे उपस्थिति की जांच ★ बिना कारण अनुपस्थित शिक्षकों का रुकेगा वेतन, होगी नियमानुसार कार्यवाही, ऑफलाइन मोड आने से अब नेटवर्क का बहाना नहीं चलेगा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने, शिक्षकों और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा बोर्ड परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने के लिए कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सबसे ज़्यादा जोर वीएसके (विद्या समीक्षा केंद्र) ऐप के ज़रिए शिक्षकों और कर्मचारियों की ऑनलाइन उपस्थिति पर रहा। कलेक्टर ने साफ कहा कि सभी शिक्षकों और स्कूल स्टाफ को हर दिन वीएसके ऐप में अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। इसमें किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीएसके ऐप पर उपस्थिति दर्ज कराना उनकी सीधी जिम्मेदारी है। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) स्वयं वीएसके ऐप में लॉगिन कर अपने विकासखंड के स्कूलों की उपस्थिति की स्थिति रोज़ देखेंगे और उसकी नियमित मॉनिटरिंग करेंगे। जो शिक्षक और कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं या वीएसके ऐप में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं, उनका वेतन रोकने और उन पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी, बीईओ, प्राचार्यों और आहरण-संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) को दिए गए।



अवकाश व्यवस्था को भी वीएसके ऐप से जोड़ा गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसी कर्मचारी के छुट्टी पर रहने की स्थिति में उसके आवेदन को तुरंत स्वीकृत या अस्वीकृत किया जाए और उसकी एंट्री वीएसके ऐप में की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना छुट्टी मंजूर कराए स्कूल से गैरहाजिर रहना गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। कलेक्टर ने ऑनलाइन रिकॉर्ड को पूरी तरह सही और अद्यतन रखने पर भी जोर दिया। जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सभी डीडीओ को निर्देशित किया गया है कि सेवानिवृत्त, दिवंगत और स्थानांतरित कर्मचारियों के नाम ष्ह्यष्ड्डशश्चद्य.द्बठ्ठ पोर्टल और वीएसके ऐप से तत्काल हटाए जाएं, ताकि रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी न रहे।

बैठक में नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में ऑनलाइन हाजिरी की दिक्कत का मुद्दा भी उठा। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री नरेन्द्र निरापुरी ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने सीजीवीएसके ऐप को अपग्रेड कर दिया है। अब इसमें ऑफलाइन मोड और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की सुविधा जुड़ गई है, जिससे शिक्षक बिना इंटरनेट के भी स्कूल परिसर में चेक-इन कर सकेंगे। उपस्थिति की तारीख, समय, बायोमेट्रिक सत्यापन और जीपीएस लोकेशन का डेटा मोबाइल में सुरक्षित रहेगा और नेटवर्क मिलते ही अपने-आप मुख्य सर्वर से सिंक हो जाएगा। ऐसे में अब किसी भी शिक्षक का नेटवर्क न होने का बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य कर्मचारियों की उपस्थिति का पारदर्शी ऑनलाइन रिकॉर्ड रखना और शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाना है।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मिशन आचार्य के तहत स्कूलों में स्टडी कॉर्नर विकसित करने और विद्यार्थियों में रोज़ 20 मिनट पढ़ने की आदत डालने के निर्देश दिए। उन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं का पाठ्यक्रम निर्धारित समय में पूरा करने को कहा। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा कर उन्होंने कमजोर प्रदर्शन वाले स्कूलों के लिए अलग कार्ययोजना बनाने, चौप्टरवार तैयारी कराने और ब्लू प्रिंट के आधार पर उत्तर लेखन का अभ्यास कराने के निर्देश दिए। हर सप्ताह टेस्ट सीरीज आयोजित कर उसके परिणामों का नियमित विश्लेषण करने को कहा गया। कलेक्टर ने अतिरिक्त कक्षाओं और विशेष शिक्षण गतिविधियों की जानकारी ली तथा अपार आईडी के तहत विद्यार्थियों का पंजीयन शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी औचक निरीक्षण के साथ नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही स्कूलों में अनुशासन और शैक्षणिक माहौल बनाए रखने के लिए अपने प्रशासनिक अधिकारों का प्रभावी उपयोग करें। परीक्षा की तैयारी को देखते हुए उन्होंने अनावश्यक अवकाश पर नियंत्रण रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए प्राचार्यों, शिक्षकों और अधिकारियों को मिलकर काम करना होगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आगामी समीक्षा बैठक में स्कूलवार उपस्थिति, शैक्षणिक प्रदर्शन और परीक्षा परिणामों में सुधार साफ दिखना चाहिए।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री नरेन्द्र निरापुरे, सहायक जिला परियोजना अधिकारी श्री ओम प्रकाश गुप्ता, डीपीओ साक्षर भारत श्री हीरालाल पटवा, सर्व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, खण्ड स्त्रोत समन्वयक सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रीति सोनी को मिली डॉक्टरेट की उपाधि, क्षेत्र का बढ़ाया गौरव



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पार्वती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग रिसर्च एंड मैनेजमेंट बीएड कॉलेज मदनपुर सिलफिली की सहायक प्राध्यापिका प्रीति सोनी ने शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए डॉक्टरेट पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्हें पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के मनोविज्ञान अध्ययनशाला द्वारा यह उपाधि प्रदान की गई है। डॉ. प्रीति सोनी ने सोशल मीडिया के उपयोग का किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण पर प्रभाव का अध्ययन विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. मीता झा सेवानिवृत्त प्राध्यापक, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के निर्देशन में किया है। गत दिनों 2 नवंबर को उनका फाइनल वाइवा संपन्न होने पश्चात विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. प्रीति सोनी की इस उपलब्धि पर पार्वती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग रिसर्च एंड मैनेजमेंट कॉलेज प्रबंधन एवं शासी निकाय के संस्थापक ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पार्वतीपुर मुक्तिधाम का कराया जा रहा कायाकल्प, सरपंच की अगुवाई में शुरू हुआ रंग-रोगन का काम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत पार्वतीपुर स्थित मुक्तिधाम अब नए रूप में सामने आ रहा है। सरपंच चंद्रदेव तिर्की के नेतृत्व में मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले दिनों शेड की मरम्मत पूरी होने के बाद अब रंग-रोगन का कार्य शुरू कर दिया गया है। सरपंच चंद्रदेव तिर्की ने बताया कि मुक्तिधाम गांव की एक महत्वपूर्ण जगह है, जहां अंतिम संस्कार की व्यवस्था को बेहतर और स्वच्छ बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार के काम में किसी भी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। शेड की मरम्मत के बाद अब दीवारों, छत और आसपास के हिस्से को रंग-रोगन कर नया रूप दिया जा रहा है, ताकि मुक्तिधाम की साज-सज्जा और उपयोगिता दोनों में सुधार हो। लोगों का कहना है कि लंबे समय से मुक्तिधाम की हालत खराब थी। सरपंच के प्रयासों से अब यहां सुधार का काम दिखाई दे रहा है। रंग-रोगन पूरा होने के बाद मुक्तिधाम का माहौल पहले से ज्यादा स्वच्छ और व्यवस्थित हो जाएगा। सरपंच ने आश्वासन दिया है कि काम को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिल सके।



बच्चा चोर की अफवाह ने मचाया कोहराम, कोइलीजोर में दो भाइयों की सरेआम पिटाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शुक्रवार की सुबह ग्राम पंचायत अजबनगर के कोइलीजोर में बच्चा चोर की खबर हवा की तरह फैल गई और मिनटों में पूरा माहौल तनावपूर्ण हो गया। दो चचेरे भाइयों को ग्रामीणों ने घेर लिया, जमकर पिटाई करके जयनगर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि आज सुबह करीब 10 बजे अंबिकापुर के दरिमा मार्ग किनारे रहने वाले राम राज महावत पिता चंदर महावत अपने चचेरे भाई के साथ मोटरसाइकिल पर कोइलीजोर पहुंचे थे। दोनों मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के मालवीयनगर सिद्धौर के रहने वाले हैं। वे गांव में अंगूठी के नग और माला की लॉकेट बेचने आए थे। अजबनगर कोइलीजोर में आश्रम के पास कथित रूप से दोनों ने चार छोटे बच्चों को बिस्कुट और चॉकलेट खिलाने के बहाने बुलाया। दो बच्चे शोर मचाते हुए भाग निकले। इसी बीच अफवाह तेजी से फैल गई कि दोनों भाइयों ने दो बच्चियों को बाइक पर बिठाने की कोशिश की है। बस फिर क्या था, आसपास के लोग दौड़ पड़े। गुस्से से भरे ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर सरेआम पिटाई शुरू कर दी। ग्रामीणों का आक्रोश इतना था कि दोनों भाई बुरी तरह घायल हो गए। इसके बाद उन्हें जयनगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने दोनों का इलाज करवाया और वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। एक छोटी सी खबर ने पूरे गांव में तनाव पैदा कर दिया और पुलिस जांच जारी है।



दो दिन से बंद स्कूली बस, डेढ़ सौ से अधिक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

ठंड में सुबह-सुबह मोटरसाइकिल से स्कूल पहुंचाने को मजबूर अभिभावक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में प्रबंधन की ओर से संचालित गेतरा से बिश्रामपुर आने वाली स्कूली बस सेवा पिछले दो दिनों से बंद है। इसका सीधा असर डेढ़ सौ से अधिक स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। बस सेवा बंद होने से बच्चों के साथ अभिभावकों की भी परेशानी बढ़ गई है। स्कूल बस बंद होने के बाद भी प्रबंधन की ओर से अब तक कोई वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार गेतरा सबरिया ऑफिस के पास से प्रतिदिन सुबह 6.45 बजे स्कूली बस रवाना होती थी, जो सुबह 7.50 बजे बिश्रामपुर पहुंचती थी। इस मार्ग पर दो बसों का संचालन होता था। इनमें प्रभावित क्षेत्र के आसपास रहने वाले डेढ़ सौ से अधिक बच्चे बिश्रामपुर के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने जाते हैं। अचानक दोनों बसों का संचालन बंद होने से बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है।नवंबर महीने में सुबह और शाम ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में छोटे-छोटे बच्चों को सुबह-सुबह मोटरसाइकिल से स्कूल पहुंचाना अभिभावकों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। ठंड में लंबी दूरी तय करने से बच्चों को सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी मौसमी परेशानियों का खतरा रहता है। खासकर छोटे बच्चों के लिए सुबह की ठंडी हवा में लगातार सफर करना परेशानी बढ़ा सकता है। बस सुविधा बंद होने से कई अभिभावक अपने कामकाज छोड़कर बच्चों को मोटरसाइकिल से स्कूल छोड़ने और वापस लाने को मजबूर हैं। अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई के साथ उनके स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा की भी चिंता सता रही है। वहीं सुबह के समय कोहरे और ठंडी हवाओं के बीच दोपहिया वाहन से बच्चों का सफर जोखिम भरा भी हो गया है। एसईसीएल कर्मचारियों से चर्चा करने पर बताया गया कि एक स्कूली बस का टायर कमजोर होने के कारण उसे लेकर नोटिस जारी किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि तकनीकी खराबी के कारण बस का संचालन रोकना जरूरी हो सकता है, तो क्या बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल दूसरी बस की व्यवस्था नहीं की जा सकती थी। दो बसों के संचालन पर निर्भर डेढ़ सौ से अधिक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने के बावजूद वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होना प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। अभिभावकों की मांग है कि एसईसीएल प्रबंधन तत्काल दोनों बसों का संचालन शुरू कराए अथवा मरम्मत होने तक दूसरी बस की व्यवस्था करे, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो और उन्हें कड़ाके की ठंड में दोपहिया वाहनों से स्कूल जाने की मजबूरी से राहत मिल सके।

मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन, जिले में 5.46 लाख मतदाता, 11 दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावा-आपत्ति

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज 12 नवंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया। सूची निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालयों तथा सभी मतदान केंद्रों में प्रकाशित की गई है। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली और बिना फोटो वाली मतदाता सूची की सीडी की एक-एक प्रति निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिल सिदार द्वारा बताया गया कि प्रारंभिक प्रकाशन में जिले में कुल 5,46,133 मतदाता पंजीकृत हैं। प्रतापपुर (आंशिक) विधानसभा क्षेत्र में 1,20,179 मतदाता हैं, जिनमें 59,248 महिला और 60,931 पुरुष हैं। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में 2,12,254 मतदाता हैं, जिनमें 1,04,609 महिला, 1,07,637 पुरुष और 8 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। सामरी विधानसभा क्षेत्र में 2,13,700 मतदाता हैं, जिनमें 1,06,935 महिला, 1,06,764 पुरुष और 1 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। जिले में सेवा मतदाताओं की संख्या 368 है। 21 फरवरी 2026 को विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतिम प्रकाशन के बाद से जिले में 10,144 मतदाता बढ़े हैं। रामानुजगंज और सामरी विधानसभा क्षेत्र में 302-302, यानी कुल 604 मतदान केंद्र हैं। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के 168 मतदान केंद्रों का प्रकाशन सूरजपुर जिले द्वारा किया गया है।



पात्र नागरिक 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक अपने मतदान केंद्र में बूथ लेवल अधिकारी के पास दावा-आपत्ति जमा कर सकते हैं। नए मतदाता पंजीयन के लिए फॉर्म 6, नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 तथा त्रुटि सुधार, स्थानांतरण, एपिक कार्ड की द्वितीय प्रति और दिव्यांगता पंजीयन के लिए फॉर्म 8 भरा जा सकता है। ये फॉर्म ECINETमोबाइल ऐप या voters.eci.gov.in पोर्टल से ऑनलाइन भी भरे जा सकते हैं। 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरे करने वाले युवाओं के साथ 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 को पात्र होने वाले नागरिक भी अग्रिम आवेदन कर सकते हैं। दावा-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर तक होगा और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

पंजीयन के बाद मतदाता अपना ई-एपिक कार्ड पोर्टल या मोबाइल ऐप से स्वयं डाउनलोड कर सकते हैं, जबकि एपिक कार्ड की फिजिकल कॉपी स्पीड पोस्ट से घर पहुँचाई जाएगी। मतदाता ECINET के माध्यम से अपने बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं या टोल फ्री नंबर 1950 पर जानकारी ले सकते हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध जिला मजिस्ट्रेट और उसके बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपील की जा सकती है।

छठ पर्व की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा, व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात, पार्किंग, विद्युत, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश'

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सूर्य उपासना के महापर्व छठ को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने अधिकारियों के साथ सेंदुर नदी स्थित छठ घाट पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने छठ पूजा समिति के सदस्यों से आयोजन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर चर्चा की तथा अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।



कलेक्टर ने घाटों और पूजा स्थलों पर पुलिस बल व नगर सैनिकों की तैनाती, मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग, आवागमन मार्ग निर्धारण और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने को कहा। घाटों पर बिजली, साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के साथ आपात स्थिति के लिए स्वास्थ्य टीम और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। घाट में सुरक्षा के लिए गोताखोरों की तैनाती और श्रद्धालुओं की निगरानी के इंतजाम करने को भी कहा। उन्होंने पुलिस और राजस्व विभाग को आपसी समन्वय से शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं का आवागमन सहज और सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम श्री विवेक चन्द्रा, जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी और छठ पूजा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

डिजिटल सुविधा से आसान हुई धान बिक्री की प्रक्रिया, किसान धनसुख तिर्की ने घर बैठे प्राप्त किया टोकन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए धान खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जा रहा है। डिजिटल सुविधाओं के विस्तार से अब किसानों को धान बिक्री के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु समितियों के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है। ह्यतुंहर टोकनह्ल मोबाइल ऐप के माध्यम से किसान घर बैठे ही अपनी उपज बेचने के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर रहे हैं। इसी डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मानिकप्रकाशपुर निवासी किसान धनसुख तिर्की ने 23 क्विंटल धान बिक्री के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया है। वे आगामी 15 नवंबर को खैरबार धान उपार्जन केंद्र में अपनी उपज बेचेंगे।

डिजिटल सुविधा से मिली सहूलियत, घर बैठे प्राप्त किया धान बिक्री का टोकन

किसान धनसुख तिर्की ने बताया कि इस वर्ष उनके खेतों में धान की अच्छी पैदावार हुई है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी वे 23 क्विंटल धान बेचेंगे। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए टोकन प्राप्त करने की दो व्यवस्थाएं की गई हैं। किसान ह्यतुंहर टोकनह्ल मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकते हैं अथवा समिति में पहुंचकर भी टोकन कटवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि मोबाइल ऐप के माध्यम से उन्होंने आसानी से 23 क्विंटल धान बिक्री का टोकन प्राप्त कर लिया है। अब वे निर्धारित तिथि पर सीधे उपार्जन केंद्र पहुंचकर अपना धान बेच सकेंगे। इस डिजिटल व्यवस्था से किसानों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलने के साथ समय और श्रम की भी बचत हो रही है।

खैरबार समिति से जुड़े 15 ग्राम पंचायतों के 644 किसान, खरीदी की तैयारियां पूरी

खैरबार धान उपार्जन केंद्र से मानिकप्रकाशपुर, कान्ति प्रकाशपुर, श्रीगढ़, नवागढ़, बधियाचुआं, खैरबार, मलगवांखुर्द, रामनगर, रनपुर खुर्द, सोनपुर, असोला, मायापुर, पंच फेड़ी, मणिपुर और लक्ष्मीपुर सहित कुल 15 ग्राम पंचायतों के किसान जुड़े हुए हैं। समिति में कुल 644 किसान पंजीकृत हैं, जो निर्धारित



तिथि पर अपनी उपज का विक्रय कर सकेंगे। इसके साथ ही पेयजल और बैठने के लिए छायादार शेड की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को धान बेचने के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया है।

धान बिक्री की राशि से खेती-किसानी को मिला संबल, परिवार की जरूरतें भी हुईं पूरी

अपने अनुभव साझा करते हुए तिर्की ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने 23 क्विंटल धान बेचा था, जिसके लिए उन्हें 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से राशि प्राप्त हुई थी। धान बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने खेती-किसानी के कार्यों और परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किया। उन्होंने कहा कि धान का अच्छा मूल्य मिलने से किसानों को आर्थिक संबल मिलता है और वे अगली फसल की तैयारी भी बेहतर ढंग से कर पाते हैं।

डिजिटल सुविधा और किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

धनसुख तिर्की ने धान खरीदी की प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से सरल बनाने, किसानों को उनकी उपज का अच्छा मूल्य दिलाने और उपार्जन केंद्रों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ शासन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों से खेती-किसानी को प्रोत्साहन मिल रहा है। ऑनलाइन टोकन की सुविधा से धान बेचने की प्रक्रिया आसान हुई है और किसानों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिल रही है।

विधायक ने किया बंशीपुर में 59.72 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत बंशीपुर में गुरुवार को विकास कार्यों को नई गति देते हुए कुल 59.72 लाख रुपये की लागत से होने वाले तीन निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। भूमिपूजन के तहत गौटिया घर से संजय घर तक 46.72 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण, मधु घर से कनेश्वर घर तक 10 लाख रुपये की लागत से सीसी



सड़क निर्माण तथा 3 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण कार्य शामिल हैं।इस अवसर पर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। विकास कार्यों के माध्यम से आमजन को बेहतर आवागमन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच गुलाब सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह, जिला प्रतिनिधि अभय तिवारी, महामंत्री लाल साय पावले सहित गोपाल शरण सिंह, राजनाथ पैकरा, प्रतीक जायसवाल, विकास तिवारी, राजू शर्मा, समय लाल मिश्रा, मीना श्रीवास्तव, किरण गुप्ता, नीलिमा पैकरा, शुभम जायसवाल, नागेंद्र सिंह, धनंजय सिंह, सुजीत मिश्रा, धनेश्वर राजवाड़े, सौरभ गुप्ता, अमित सिंह, रंजन मंडल, चंदकी गुप्ता, राकेश गुप्ता, राम सिंह, भुनेश्वर सिंह, लुलेंद्र गुप्ता, सोहर साय पैकरा, बलबीर पैकरा, संजय राजवाड़े एवं वीरेंद्र गुप्ता सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद ग्रामीणों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति पर खुशी जाहिर करते हुए जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ के बिजली कर्मियों को पुरानी पेंशन की सौगात, चेयरमैन से वार्ता में 5 बड़ी मांगों पर बनी सहमति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ द्वारा विगत दो वर्षों से बिजली कर्मियों की विभिन्न ज्वलंत मांगों को लेकर निरंतर किए जा रहे आंदोलन, प्रदर्शन एवं संघर्ष का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। महासंघ की प्रमुख मांग पुरानी पेंशन योजना लागू करने सहित विद्युत क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए आज 13 नवंबर 2026 को मंत्रालय, नवा रायपुर में मुख्यमंत्री के विशेष सचिव एवं विद्युत कंपनी के चेयरमैन सुबोध सिंह के साथ महासंघ को द्विपक्षीय वार्ता हेतु आमंत्रित किया गया। विशेष वार्ता के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लिया



गया, जो निम्नानुसार हैं:-

पुरानी पेंशन योजना को शासन की स्वीकृति

महासंघ की प्रमुख मांग पुरानी पेंशन योजना लागू करने के संबंध में विद्युत कंपनी के चेयरमैन सुबोध सिंह ने स्पष्ट किया कि महासंघ की मांग पर छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग एवं वित्त विभाग से पुरानी पेंशन योजना लागू करने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, जिसकी तिथि तय कर उचित मंच पर घोषणा की जाएगी।

विद्युत कंपनी में समानांतर लाइसेंस लागू नहीं होगा

विद्युत कंपनी में समानांतर लाइसेंस लागू किए जाने की संभावित प्रक्रिया पर महासंघ ने अपना तार्किक एवं तथ्यात्मक पक्ष रखते हुए इसका पुरजोर विरोध किया तथा इसे लागू नहीं करने की मांग रखी। इस पर चेयरमैन सुबोध सिंह ने स्पष्ट रूप से बताया कि विद्युत कंपनी में किसी भी प्रकार का समानांतर लाइसेंस नहीं देने का निर्णय लिया गया तथा उन्होंने इस विषय पर कर्मचारियों को किसी भी प्रकार के भ्रम एवं बहकावे में नहीं आने की बात कही।

विभागीय कोटे में भर्ती प्रक्रिया करने के निर्देश

विद्युत कंपनी में विभागीय कोटे में भर्ती के विषय पर भी महासंघ ने अपनी मांग प्रमुखता से रखी। चर्चा के उपरांत चेयरमैन ने संबंधित अधिकारियों को भर्ती हेतु निर्धारित विभागीय कोटे में प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

दुग्गा पंचायत में विकास कार्यों में बड़ा गड़बड़झाला, 24 लाख की वसूली के लिए प्रस्ताव भेजा गया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। सूरजपुर जिले के भैयाथान जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत दुग्गा में 24 लाख रुपये से अधिक की शासकीय राशि के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। वर्ष 2020 से 2026 के बीच स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों की राशि आहरित करने के बावजूद मौके पर कई कार्य अधूरे पाए गए। जांच में तत्कालीन एवं वर्तमान सरपंच-सचिव को कुल 24 लाख 1 हजार 493 रुपये की वित्तीय अनियमितता के लिए जिम्मेदार पाया गया है। जनपद पंचायत भैयाथान के सीईओ के क्षेत्र भ्रमण के दौरान सड़क, पेयजल, स्वच्छता सहित अन्य विकास कार्यों में गड़बड़ी सामने आई थी। इसके बाद गठित जांच दल ने मौके पर कार्यों का निरीक्षण और मूल्यांकन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जांच के आधार पर संबंधित सरपंच एवं सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर राशि शासकीय कोष में जमा करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी राशि जमा नहीं की गई और अधूरे कार्य भी पूरे नहीं कराए गए। अब जनपद पंचायत ने वसूली की कार्रवाई शुरू करते हुए कार्यालयीन पत्र क्रमांक 4572, दिनांक 12 नवंबर 2026 के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भैयाथान के न्यायालय में संबंधित सरपंच-सचिव के विरुद्ध आरआरसी प्रकरण दर्ज कराने का प्रस्ताव भेजा है।

आरोपों के बीच जरही लिंक कोर्ट में शैलेन्द्र कुमार की पदस्थापना, प्रशासनिक फेरबदल पर उठे सवाल

जरही। जिले में राजस्व विभाग के प्रशासनिक फेरबदल के तहत शैलेन्द्र कुमार को जरही लिंक कोर्ट का नया नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है। कलेक्टर कार्यालय से 12 नवंबर को जारी आदेश के अनुसार शैलेन्द्र कुमार इससे पहले भू-अभिलेख शाखा सूरजपुर में पदस्थ थे। उन्हें आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से जरही लिंक कोर्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इधर, पूर्व में जिले में पदस्थ रहे नायब तहसीलदार लटोरी शैलेन्द्र दिवाकर के खिलाफ रायपुर के गंज थाने में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोप में बीएनएस की धारा 69 के तहत मामला दर्ज होने का प्रकरण भी चर्चा में है। बताया गया था कि एफआईआर के बाद वे मेडिकल अवकाश पर चले गए थे।

कोऑपरेटिव सचिव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पेड़ से लटका मिला शव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। ड्यूटी पर जाने की बात कहकर घर से निकले कोऑपरेटिव सचिव का शव गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में माल थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव स्थित एक बाग में आम के पेड़ से लटकता मिला। शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। काकोरी थाना क्षेत्र के बहरू गांव निवासी राज कपूर (33) इटौंजा स्थित साधन सहकारी समिति में कोऑपरेटिव सचिव के पद पर तैनात थे। परिजनों के मुताबिक, वह रोज की तरह गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे बाइक से ड्यूटी जाने की बात कहकर घर से निकले थे। इसके बाद उनका शव माल थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में योगेंद्र सिंह के बाग में आम के पेड़ से प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लटका मिला। राहगीरों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घटनास्थल से कुछ दूरी पर मृतक की स्प्लेंडर बाइक खड़ी मिली। बाइक पर बैग टंगा हुआ था, जबकि मोबाइल फोन भी वहीं बरामद हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पिता शिवपाल, मां शिवरानी, पत्नी राखी और दो बेटे शौर्य (10) व अभिराज (8) को छोड़ गए हैं। पति की मौत से पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में माल थाना प्रभारी नवाब अहमद ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अंबिकापुर में बढ़ी ठिठुरन, पारा 11.4 डिग्री पर पहुंचा, अगले 5 दिन शुष्क रहेगा मौसम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब सुबह और रात की ठंडक धीरे-धीरे अपना असर दिखाने लगी है। मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक, पूरे प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है और आगामी 5 दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दिन के समय दुर्ग 32.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा।

बंगाल की खाड़ी में हलचल तेज, बन रहा नया सिस्टम

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार,

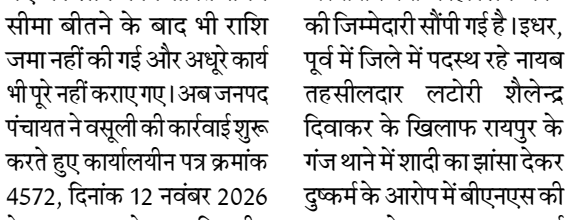


मध्य अंडमान सागर और उससे सटे अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के ऊपर बना ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय है। इसके प्रभाव से आज 13 नवंबर के आसपास दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ेगा और 14 नवंबर तक एक सुस्पष्ट निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल जाएगा। इसके बाद 15 नवंबर के आसपास इसी क्षेत्र में इसके और मजबूत होकर 'अवदाब' में तब्दील होने की संभावना है। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस सिस्टम का छत्तीसगढ़ के मौसम पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा और आने वाले दिनों में प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। मौसम विभाग ने किसी भी तरह की चेतावनी जारी नहीं की है।

विद्यालय प्रबंधन समिति ने जिला चैंपियनशिप के लिए चयनित विद्यार्थी प्रिंस को मोमेंटो देकर किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा एवं डीएमसी मनोज साहू के निर्देशन तथा माय भारत के जिला नोडल प्रिंस सिंह के नेतृत्व में जिले के विद्यालयों में माय भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के विद्यार्थी प्रिंस ठाकुर ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के द्वितीय चरण (निबंध प्रतियोगिता) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला चैंपियनशिप (प्रेजेंटेशन राउंड) के लिए चयनित होकर विद्यालय एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष दिव्या तांजे,



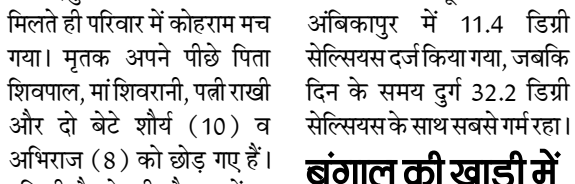
ग्राम पंचायत के सरपंच राम सिंह टेकाम, उपसरपंच दशरथ गुप्ता एवं समिति के अन्य सदस्यों ने विद्यार्थी प्रिंस ठाकुर को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा आगामी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

मार्गदर्शक शिक्षक गोपाल सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। विद्यालय के प्राचार्य पी.सी. सोनी व वरिष्ठ व्याख्याता सीमा दुबे ने विद्यार्थी को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए प्रिंस ठाकुर के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शैक्षिक गुणवत्ता और सूर्योदय सूरजपुर के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखंड रामानुजनगर में शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने तथा जिला प्रशासन की अभिनव पहल ह्यसूर्योदय सूरजपुरह्ल के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग को लेकर बीआरसी कार्यालय रामानुजनगर में माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठकों का प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में विकासखंड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू एवं विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक (बीआरसी) विजय साहू ने उपस्थित प्रधान पाठकों को कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य



विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता को मजबूत करना, बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाना तथा ह्यसूर्योदय सूरजपुरह्ल कार्यक्रम को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना रहा। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि किसी भी शैक्षिक नवाचार की सफलता उसके नियमित एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। इसके लिए विद्यालय प्रमुखों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बीईओ अवधेश साहू ने शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रधान पाठकों को विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन, शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा बच्चों के सीखने की प्रगति पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में केवल पाठ्यक्रम पूरा करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि प्रत्येक बच्चा अपनी कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताओं को प्राप्त कर रहा है। इसके लिए शिक्षकों को बच्चों की सीखने संबंधी कठिनाइयों को पहचानकर आवश्यक सहयोग प्रदान करना चाहिए। साथ ही अपार एवं एमबीयू पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बीआरसी विजय साहू ने ह्यसूर्योदय सूरजपुरह्ल कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग से संबंधित बिंदुओं पर जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय स्तर पर निर्धारित गतिविधियों का नियमित संचालन, उनकी प्रगति का संधारण तथा समय-समय पर समीक्षा आवश्यक है। उन्होंने प्रधान पाठकों से अपेक्षा की कि वे स्वयं विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी करें और शिक्षकों के साथ समन्वय बनाकर कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संचालित करें। कार्यशाला में इस बात पर भी जोर दिया गया कि शैक्षिक गुणवत्ता सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें प्रधान पाठक, शिक्षक, विद्यार्थी एवं पालकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार कर बच्चों को सीखने के अधिक अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। अधिकारियों ने सभी प्रधान पाठकों से प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को अपने-अपने विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करने तथा कार्यक्रम की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

चिंतन

आतंकवाद के खिलाफ और सतर्कता जरूरी

कश्मीर घाटी में आतंकवाद एक बार फिर चुनौती दे रहा है। इसका चेहरा तेजी से बदल रहा है। अब दुश्मन केवल सीमा पार से घुसपैठ कर हमला नहीं करता, बल्कि देश के भीतर स्लीपर सेल भी तैयार करता है, स्थानीय मददगारों के जरिये साजिशों को अंजाम देता है और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक से सुरक्षा तंत्र को चुनौती देता है। साइबर नेटवर्क, एआई और मानवरहित हथियारों ने आतंकवाद के खतरे को और जटिल बना दिया है। सवाल है कि जब आतंक के तौर-तरीके इतने बदल रहे हैं तो हमारी सुरक्षा रणनीति कितनी बदली है? कुलगाम में सीआरपीएफ जवानों पर हमला और एलओसी पर पाकिस्तान की एंटी-ड्रोन तैनाती इसी बदलती चुनौती के संकेत हैं। ऐसे में आतंकवाद के खिलाफ और सतर्कता बरतनी होगी। हाल ही की घटना में जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर बाइक सवार हमलावरों की अंधाधुंध गोलीबारी इस बात का संकेत है कि आर्तकियों के मंसूबे अभी कमजोर नहीं पड़े हैं। महज 15 सेकेंड में करीब 30 राउंड फायरिंग कर तीन जवानों को घायल करने के बाद हमलावरों का फरार हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पार अपनी सैन्य तैयारियों को नए सिरे से धार देने में जुटा है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने एलओसी के सामने 50 से अधिक विशेष एंटी-ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। नवंबर में ही 20 नई यूनिट शामिल किए जाने की सूचना है। इनका उद्देश्य भारतीय ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन की निगरानी करना तथा उन्हें निष्क्रिय करना है। पाकिस्तान की इस तैयारी को केवल रक्षात्मक कदम मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुलगाम की घटना और एलओसी के पार पाकिस्तान की सैन्य तैयारियों को अलग-अलग घटनाक्रम मानकर देखने के बजाय व्यापक सुरक्षा परिप्रेक्ष्य में समझने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं होना और इनमें 45 जवानों का शहीद होना बताता है कि चुनौती कितनी गंभीर है। सुरक्षा बलों ने इस दौरान 138 आतंकियों को मार गिराया है, लेकिन आतंकवाद का नेटवर्क केवल आतंकियों को खत्म करने से समाप्त नहीं होता। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी सैन्य रणनीति में ड्रोन युद्ध को प्राथमिकता दी है। सेना प्रमुख आसिम मुनीर की रणनीति में ड्रोन को रक्षा और हमले, दोनों की पहली पंक्ति का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसके लिए चीन और तुर्किये से आधुनिक तकनीक हासिल करने के साथ एआई और निगरानी प्रणालियों पर भी जोर दिया जा रहा है। ऐसे हालात में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति भी लगातार आधुनिक बनानी होगी। सीमा पर चौकसी, एंटी-ड्रोन प्रणाली, आधुनिक निगरानी उपकरण और खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। साथ ही, कुलगाम जैसे संवेदनशील इलाकों में तैनात जवानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षाबलों का मनोबल और आम नागरिकों का विश्वास बनाए रखना होगा। पाकिस्तान की बदलती सैन्य रणनीति और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए किसी भी स्तर पर आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ केवल जवाबी कार्रवाई नहीं, बल्कि ऐसी चौकस और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था चाहिए, जो दुश्मन के मंसूबों को हमला होने से पहले ही नाकाम कर दे। यही जवानों की सुरक्षा और देश की संप्रभुता की सबसे बड़ी गारंटी है।



आर्थिकी

प्रमोद भार्गव

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महंगी दवाओं को 'डकैती करार' देने के बाद भारत सरकार, दवा निर्माता एवं विक्रेता चेते हैं। इसी का परिणाम है कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर के उपचार में दी जाने वाली 137 प्रकार की दवाओं पर व्यापारिक लाभ का अंतर तय कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से रोगियों को हर साल अनुमानित 3502.31 करोड़ रुपये की बचत होगी। वस्तुतः कैंसर के गरीब मरीजों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। अततः यह कठोर निर्णय दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने की लगातार दी गई चेतावनियों के चलते संभव हुआ है।

दवा कारोबार में अनैतिकता पर अंकुश

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महंगी दवाओं को 'डकैती करार' देने के बाद भारत सरकार, दवा निर्माता एवं विक्रेता चेते हैं। इसी का परिणाम है कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर के उपचार में दी जाने वाली 137 प्रकार की दवाओं पर व्यापारिक लाभ का अंतर तय कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से रोगियों को हर साल अनुमानित 3502.31 करोड़ रुपये की बचत होगी। वस्तुतः कैंसर के गरीब मरीजों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। अततः यह कठोर निर्णय दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने की लगातार दी गई चेतावनियों के चलते संभव हुआ है।

दवाओं की कीमतें घटाने का यह फैसला स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत गठित की गई विशेषज्ञ समिति की 17 अक्टूबर 2026 को आई सिफारिश के बाद लिया है। डीजीएचएस के बयान के अनुसार अब तक 76 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1225 सूत्रीकरण (फॉर्मूलेशन) के लिए नए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) जमा किए हैं। 1225 में से 1031 फॉर्मूलेशन की कीमतों में भारी कटौती की गई है। करीब 600 ब्रांड की दवाओं की कीमत में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। सबसे ज्यादा कटौती 96.45 प्रतिशत की गई है। वस्तुतः अब कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई असरकारी दवाओं की कीमतों में भारी कमी स्पष्ट दिख रही है। आरपीजी लाइफ साइंसेज की स्तन कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली कैप्सूल 'पैल्बोप्रो' (पैल्बोसिक्लिब 125 मिलीग्राम) की कीमत 40,421.33 रुपये से घटकर मात्र 2720 रुपये रह गई है। इसी तरह अरविंकेयर फार्मा की प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली टेबलेट एबीरोन (एबिराटेरॉन एसीटेट 250 मिलीग्राम) का मूल्य 41,250 रुपये से घटकर 3218.23 रुपये निर्धारित कर दिया है। यह भारी अंतर सभी दवाओं पर दिखाई दे रहा। सर्वोच्च न्यायालय ने कैंसर की दवाओं की एमआरपी और सरकारी खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को अजूबा करार दिया था। यह अंतर 10 गुना से भी ज्यादा था। 2700 रुपये की खुदरा बिक्री वाली कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000 रुपये अंकित होने पर इसे न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पहले तो 'दिन-दहाड़े' डकैती कहा और फिर 29 सितंबर 2026 को की गई सुनवाई में इस भारी अंतर को दो टूक शब्दों में 'कत्लेआम' यानी 'सामूहिक-संहार' तक कहने में संकोच नहीं किया था। दवा कारोबारी, निजी अस्पतालों और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद करने वाले जिम्मेदारों के लिए इससे तीखी टिप्पणी, दूसरी कोई हो नहीं सकती ? अदालत ने यह सवाल भी खड़ा किया था। कि आखिर 'इतना पैसा कहां जा रहा है और फायदा किसे हो रहा है? 'यह टिप्पणी सीधे-सीधे दवा उत्पादक, निजी अस्पतालों के मालिक एवं चिकित्सक तथा सरकारी खरीद में लिप्त जिम्मेदारों का अमानवीय चेहरा सामने लाती है। 137 दवाओं की दरें निर्धारित हो जाने से साफ हो गया है कि बड़ा घालमेल दवा उद्योग में चल रहा है। इस घालमेल पर अंकुश लगाने की दृष्टि से ही न्यायालय द्वारा 8 अक्टूबर 2026 को दिए एक आदेश के बाद केंद्र सरकार ने फार्मा



कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों, तौर-तरीकों की समीक्षा और निगरानी के लिए नीति आयोग के सदस्य डॉ एम श्रीनिवास की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की हुई है। समिति को कंपनियों द्वारा दवा के अनैतिक कारोबार को बढ़ावा देने वाले उपायों की असरकारी समीक्षा का दायित्व दिया गया था। इन उपायों में चिकित्सकों को दिए जाने वाले प्रलोभनों की भी समीक्षा शामिल है। अदालत में इसी परिप्रेक्ष्य में 'फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया' की भी एक याचिका लंबित है। इसमें अनुरोध किया है कि प्रभावी कानून बनने तक फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर फॉर्मूलेशन और नियमन के लिए दिशा-निर्देश भी तय कर दिए जाएं ताकि मौजूदा व्यवस्था में जो बड़ी असामानता है, वह दूर हो सके? इसके अंतर्गत ऐसे प्रलोभन स्वीकार करने वाले चिकित्सकों के लिए कार्यवाही का प्रविधान तो है, लेकिन उन्हें प्रलोभन देने वाली दवा कंपनियों को नियंत्रित या दंडित करने के लिए समान वैधानिक व्यवस्था नहीं है। अतएव कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चिकित्सकों को महंगे उपहार और सेमिनार के बहाने देश-विदेश की पंचतारा हवाई यात्राएं अपने खर्चे पर कराती हैं। अततः इसका असर रोगी पर पड़ता है और वे महंगी दवाएं खरीदने के लिए लाचार बने रहते हैं। इस समिति की रिपोर्ट अभी आनी है। सस्ती हुई 137 दवाओं में जो अंतर देखने में आया है, उससे साफ है कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर धन कमाने की हवस के चलते बाहर की जा रही हैं। सस्ती हुई दवाओं के अंतर ने तय कर दिया है कि दवा महंगी होने का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है, बल्कि दवा कंपनियों का मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं। नियमों के मुताबिक दवाओं की कीमत लागत से मात्र सौ गुनी ज्यादा रख सकते हैं। लेकिन दवाओं की कीमत 1023 फीसदी तक ज्यादा वसूली जा रही है। यहां तक की नामी-गिरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। दवा कंपनियों ने सरकार द्वारा दी उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो पूरा लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की। इस तरह से सरकार और ग्राहकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। बेमतलब की अनेक जांचें भी केवल मुनाफे के लिए कराई जा रही हैं। दरअसल, वर्तमान में दवा कारोबार मुनाफे की हवस की गिरफ्त में तो है ही, निजी चिकित्सालय उद्योग रोगी पैदा करने और रोगी बनाए रखने का काम भी कर रहे हैं। इसलिए चिकित्सकों पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे रोगी की सेवा के बनिस्वत दवा कारोबार की सेवा में लिप्त हैं। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि चिकित्सक ज्ञान तो निश्चित रूप से उच्च चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त करते हैं, लेकिन चिकित्सक बनने के बाद उनके इस ज्ञान का अपहरण दवा उद्योग कर लेते हैं। अतएव ज्यादातर डॉक्टर पर्चे में वहीं दवा लिखते हैं, जो उन्हें दवा कंपनियों के एमआर समझाते हैं और कमीशन के साथ उपहार देते हैं। जबकि चिकित्सा का पेशा जीवन रक्षा का धंधा है। वह मनुष्यता की संवेदना और मर्म की सुरक्षा का नैतिक व्यवसाय है। एक लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ लेने की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ावा देने की दृष्टि से ? किंतु पैसा कमाने की अनैतिक होड़ का ही परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से मुकर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ संभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्व निमोनिया दिवस

बाल मुकुन्द ओझा



केवल दवाओं की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, रहें अलर्ट

विश्व निमोनिया दिवस हर साल 12 नवम्बर को लोगों को निमोनिया जैसी गंभीर सांस संबंधी बीमारी के प्रति जागरूक करना, इसके लक्षणों को पहचानने, समय पर इलाज कराने और बीमारी से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देने के लिए मनाया जाता है। इस साल, 2026 में, विश्व निमोनिया दिवस की थीम निमोनिया नियंत्रण का एक नया युग रखी गई है। यह थीम निमोनिया से होने वाली उन मौतों को कम करने में टीकों, जांच के साधनों और इलाज के तरीकों में हुई प्रगति के महत्व को उजागर करती है, जिन्हें रोका जा सकता है। यह जीवन बचाने वाले इन उपायों तक समान पहुंच की वकालत करती है, खासकर उन बच्चों और वंचित समुदायों के लिए जो अधिक जोखिम में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल 5 साल से कम उम्र के 14 लाख बच्चों की मौत निमोनिया के कारण होती है। यह दुनिया भर में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की कुल मौतों का 18 प्रतिशत है। यूनिसेफ के अनुसार, हर 39 सेकंड में एक बच्चे की मौत निमोनिया से होती है।

अनुमान है कि 50 साल से अधिक उम्र के वयस्कों में निमोनिया से होने वाली 16 लाख मौतें, वायु प्रदूषण और धूम्रपान के कारण होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, निमोनिया आज भी बच्चों में संक्रामक बीमारी से होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण है। इस अवसर पर दुनियाभर में निमोनिया के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाए जाते हैं। खासतौर पर बच्चों में निमोनिया की रोकथाम को प्राथमिकता दी जाती है, क्योंकि पांच साल से कम उम्र के बच्चे इस बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की लगभग 14 से 26 फीसदी मौतें निमोनिया के कारण होती हैं। देश में इस आयु वर्ग के लगभग 14.9 फीसदी बच्चों की मौत का कारण निमोनिया है। कुछ आंकड़ों में यह अनुपात 18 फीसदी तक पाया गया है। यह आंकड़े वास्तव में चिंताजनक हैं। भारत में मौसम बदलते ही बीमारियों का खतरा मंडराने लगता है। इनमें निमोनिया प्रमुख है। अस्पतालों में लम्बी लम्बी कतारें लग जाती है। इस समय गर्मी के विदाई का वक्त है। सर्दी की आहट के साथ ही बच्चे से बुजुर्ग तक को अपनी सेहत की चिंता सताने लगती है। इस समय मौसम भी अजब-गजब है। कहीं पंखे चल रहे हैं तो कहीं एयर कंडीशनर भी। लोगों ने गर्म कपडे.निकाल लिए है। पंखा आदि चलाकर कम्बल का उपयोग करते देखा जा सकता है। दिवाली पर प्रदूषण की मार भी लोग झेल रहे है। इसी बीच सर्दियों का मौसम शुरू होते ही सर्दी, खांसी, जुकाम, गले में खराश और बुखार जैसी अनचाही बीमारियां बढ़ने लगी हैं। सर्द मौसम में निमोनिया का खतरा भी चिंता का विषय बन जाता है। निमोनिया फेफड़ों में होने वाला संक्रमण है, जिसके कारण फेफड़ों की छोटी वायु थैलियों में सूजन आ सकती है और उनमें तरल पदार्थ या मवाद भर सकता है। इससे मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है।



खासतौर पर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को इस बीमारी से अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक निमोनिया से निपटने के लिए केवल दवाओं की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि टीकाकरण, शुरुआती पहचान, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की उपलब्धता भी जरूरी है। निमोनिया कोई छोटी-मोटी बीमारी नहीं है। निमोनिया फेफड़ों में असाधारण तौर पर सूजन आने के कारण होता है। इसमें फेफड़ों में पानी भी भर जाता है। आमतौर पर निमोनिया कई कारणों से होता है जिनमें प्रमुख हैं बैक्टीरिया, वायरस, फंगी या अन्य कुछ परजीवी। इनके अलावा कुछ रसायनों और फेफड़ों पर लगी चोट के कारण भी निमोनिया होता है। बैक्टीरिया जनित निमोनिया दो से चार सप्ताह में ठीक हो सकता है। इसके विपरीत वायरल जनित निमोनिया ठीक होने में अधिक समय लेता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पूजा वह है, जो परिपूर्णता से उत्पन्न हो



यजमान को देश-काल के सातत्य में उसके जन्म के नक्षत्र, जन्म राशि, पैतृक वंश, गोत्र, पूरा नाम, पिता का नाम आदि द्वारा भी परिभाषित किया जाता है। इसके बाद यजमान द्वारा संकल्प लिया जाता है। वस्तुतः संकल्प कभी लिया नहीं जाता, बल्कि उसे छोड़ दिया जाता है या भगवान के चरणों में समर्पित कर दिया जाता है। जब यजमान पूर्ण विश्वास के साथ अपना संकल्प देवत्व के चरणों में छोड़ देता है कि जो भी उसके लिए सही होगा, वह अवश्य होगा, वह पूजा में बैठने के योग्य हो जाता है। पूजा वह है, जो परिपूर्णता से उत्पन्न होती है। जब आप अपनी सभी इच्छाओं, सभी परेशानियों और शिकायतों को दिव्यता के चरणों में छोड़ देते हैं, तभी आप परिपूर्ण प्रतीत कर सकते हैं। तभी आप पूजा में बैठने लायक बन सकेंगे। तभी आप पूजा का हिस्सा बन सकते हैं। रुद्र पूजा में शिव-तत्व का उसकी पूरी भव्यता के साथ आह्वान किया जाता है। भक्त मंत्रों की तरंगों में डूब जाते हैं। मन ध्यान की अवस्था में पहुंच जाता है। संपूर्ण वातावरण शिव-तत्व से आवेशित हो जाता है। भक्त शिव-तत्व के साथ एक हो जाते हैं। शिव वह परोपकारी ऊर्जा हैं, जो परिवर्तन करती है और बाधाओं को दूर करती है। संकल्प आसानी से सर्वव्यापी दिव्यता तक संप्रेषित हो जाते हैं और उस सर्वव्यापी, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान दिव्यता के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। सभी हितकारी मनोरथ फलदायी होते हैं। सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं। जीवन गतिमान होता है।

संकलित

दर्शन

जब मन अशांत हो, अपने इष्टदेव का जप करें



शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन



आज की पाती

एथेनॉल की खूबियों के बावजूद चिंताएं बरकरार

देश में पेट्रोल के विकल्प के रूप में एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक और कदम उठाया है, जबकि देश में एथेनॉल को लेकर पूर्व में हंगामा भी बहुत हुआ था। लिहाजा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ई-100 ईंधन से चलने वाले वाहनों को अनुमति देने के लिए मोटर वाहन नियमों में बदलाव की अधिसूचना जारी की है। यह फैसला भारत की ऊर्जा जरूरतों, पर्यावरण संरक्षण और विदेशी तेल पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, इस नई व्यवस्था को केवल हरित क्रांति के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ वाहनधारकों की आर्थिक स्थिति, वाहनों की तकनीकी क्षमता, ईंधन की उपलब्धता और रखरखाव से जुड़ी चुनौतियों को भी समझना जरूरी है। - रामिकशन, रोहतक

ट्रेंड

शतरंज में शतक

भारत ने शतरंज में शतक लगा दिया है! 00वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज श्रीवास्त्री को बधाई! यह वाकई एक शानदार उपलब्धि है। यह हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



उत्पादन का रिकॉर्ड

भारत ने उत्पादन के कई रिकॉर्ड तोड़े है। चावल के उत्पादन में हम दुनिया में पहले नंबर पर आ गए है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक देश भी बन गया है। आज, देश में रिकॉर्ड 377 मीट्रिक टन अनाज और 378 मीट्रिक टन फल व सब्जियों का उत्पादन हो रहा है।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषिमंत्री



अत्यंत दुःखद

पाली में एक दुकान में लगी आग के धुएं से दम घुटने के कारण कांग्रेस पार्षद उषा पुनामिया, उनके पति प्रकाश पुनामिया और उनके बड़े भाई गौतम के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।
-अशोक गहलोत, सीएम, राजस्थान



नई रामायण

नई रामायण देखी। इसमें न तो कोई दिव्यता दिखी और न ही भक्ति का भाव। कई महत्वपूर्ण दृश्य गायब हैं, और कई दृश्यों के संवादों में वह गरिमा नहीं है जो ऐसी फिल्म में होनी चाहिए। रावण का काफी महिमामंडन किया गया है।
- सुनील लहरी, अभिनेता





करंट अफेयर

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण बेलफास्ट में विशेष कार्यक्रम

'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास में ब्रिटेन के विभिन्न हिस्सों के 60 से अधिक संगीतकारों ने एक विशेष संगीत कार्यक्रम पेश किया। बेलफास्ट स्थित टोकाटा म्यूजिकल्स प्रोडक्शंस के सहयोग से तैयार राष्ट्रगीत की यह संगीत प्रस्तुति पिछले सप्ताह ऑनलाइन जारी की गई। भारतीय वाणिज्य महादूतावास ने बताया कि इसमें शामिल संगीतकारों का भारत, उसकी संस्कृति, परंपराओं, आध्यात्मिकता और संगीत विरासत से व्यक्तिगत जुड़ाव है। ब्रिटेन के बेलफास्ट स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास देश के नए वाणिज्य दूतावासों में से एक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले साल मार्च में इसका उद्घाटन किया था। बेलफास्ट में भारत की महावाणिज्यदूत किरण खत्री ने कहा, 'बेलफास्ट में भारत के पहले महावाणिज्य दूतावास की स्थापना भारत और उत्तरी आयरलैंड के संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह उत्तरी आयरलैंड के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने और संस्कृति, शिक्षा, व्यापार तथा लोगों के बीच संपर्क के माध्यम से मजबूत संबंध बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' इस परियोजना में संगीतकारों ने 'वंदे मातरम' के सम्मान में स्वेच्छा से अपना समय दिया।



ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है

दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है : कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का



असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी – बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है : भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

न्यायालय तहसीलदार, पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क्र० /अ-06 (अ)/2025-26
ग्राम-पालीडीह तह०-पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत, पालीडीह को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रोहित साय पिता बुढा राम जाति परधनिया, निवासी ग्राम पालीडीह, तहसील-पत्थलगाव, जिला-जशपुर (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा-115 छ०ग०भू०रा०संहिता-1969 के तहत्प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है. कि, ग्राम-पालीडीह, प०ह०नं० 09 रा००नि०म०/तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०)स्थित भूमि ख०न० 137/1, 383, 439/1 रकबा क्रमशः 0.1990, 0.6110, 0.4460 कुल ख०नं० 03 कुल रकबा 1.2560 हे० सामिलात हक में दर्ज है। उक्त पर अनावेदकगण का नाम बिना किसी हक हकीयत के त्रुटिवश दर्ज कर दिया गया है। अतः आवेदित भूमि के राजस्व अभिलेखों पर से अनावेदकगण का नाम विलोपित किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के वर्तमान बी-1, इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त अभिलेख दुरुस्ती/त्रुटि सुधार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज जो हो दिनांक 10.09.2026 तक अधोहस्ताक्षर कर्ता के न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवकुमार सिंह आ० स्व० केश्वर सिंह, आयु लगभग 50 वर्ष, निवासी ग्राम खम्हरिया, थाना उदयपुर, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने नाबालिग पुत्र महेन्द्रपाल सिंह, जन्म दिनांक 21.09.2009 का जन्म पंजीयन विलंब से कराये जाने हेतु जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 की धारा 13(3-अ) के अंतर्गत माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०) (श्री गुलापन राम यादव) के न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 08/12/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अब नए गठबंधन का ऐलान

ओवैसी-एएसपी ने बनाया 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा', चंद्रशेखर होंगे मुख्यमंत्री का चेहरा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

गठबंधन का उद्देश्य दलित और मुस्लिम वोटों को एक मंच पर लाना

उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की राजनीति में नए गठबंधन की घोषणा हो गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने हाथ मिला लिया है। दोनों नेताओं ने गुरुवार को लखनऊ में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने गठबंधन का ऐलान किया। इस गठबंधन को 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' नाम दिया गया है। इस घोषणा के बाद प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर नए राजनीतिक समीकरणों की चर्चा शुरू हो गई है। इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य दलित और मुस्लिम वोटों को एक मंच पर लाना तथा युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की आवाज उठाना है।माना जा रहा यह गठबंधन सपा के पीडीए समीकरण के सामने एक नई चुनौती पेश कर सकता है, जबकि विपक्षी दलों का आरोप है कि इससे भाजपा को चुनावी फायदा मिल सकता है।



सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगा मोर्चा

दोनों नेताओं ने बताया कि उनका मोर्चा उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगा। इसके साथ ही ओवैसी ने चंद्रशेखर को मोर्चे की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया। चंद्रशेखर और ओवैसी ने गठबंधन के जरिए प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। दोनों दलों का कहना है कि वे मिलकर राजनीतिक भागीदारी, अधिकार और सामाजिक परिवर्तन के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे।

चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया

इस दौरान सबसे अहम बात यह रही कि ओवैसी ने चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। इस घोषणा के साथ ही सामाजिक परिवर्तन मोर्चे ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रमुख चेहरा भी सामने रख दिया है। हालांकि, इस गठबंधन को चुनाव में कितना समर्थन मिलता है, यह आने वाले समय में उम्मीदवारों के चयन और जनता के बीच पहुंच से साफ होगा। अब मोर्चा के गठन के बाद प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

सभी जान रहे आजम किसकी वजह से जेल में हैं? अब्दुल बराबरी पर है: ओवैसी

ओवैसी ने कहा कि मोर्चा यूपी में मजबूत विकल्प होगा। हम बीजेपी को तीसरी बार आने से रोकेंगे। किसानो के मसले पर हम लड़ेंगे। हम राजनीति फ्यूचर के लिए करेंगे। अब्दुल मुद्दा बन गया है, अब्दुल दरी नही बिछा रहा है।अब्दुल बराबरी पर है, हम उसके साथ है। इसके अलावा चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि आजम खान किसकी वजह से जेल में हैं, सबको मालूम है. सिर्फ वोट के खतिर उनका इस्तेमाल हुआ। कोई उनकी लड़ाई नही लड़ा। 2012 के बाद से हमारे ऊपर अत्याचार हो रहा है। ये सरकार केवल व्यपारी की बात करती है हम सरकार बनाएं तब क्वालिटी शिक्षा देंगे। अस्पताल दुरस्त करेंगे, नौकरी देंगे।

कांग्रेस के मसूद बोले

हमें डेंट कर किसी और को फायदा...

इस गठबंधन को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेता और सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद ने कहा कि राजनीति का अधिकार सभी को है, सब अपने तरीके से राजनीति भी करते हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि क्या एसपीएम उनके गठबंधन को डेंट पहुंचाएगा, तो उन्होंने कहा कि डेंट होने से किसे फायदा होगा? किसी और को फायदा पहुंचाना चाहते तो हमें डेंट करके तो पहुंचा दीजिए।



जेल में आजम से मिले शिवपाल



उनका लगातार उत्पीड़न हो रहा

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव गुरुवार को गाजियाबाद जिला कारागार पहुंचे। उनकी यह यात्रा जिला कारागार में बंद पार्टी के कद्दावर नेता आज़म खान से मुलाकात करने के लिए थी। शिवपाल यादव के आगमन पर सैकड़ों की संख्या में सपा के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। यह स्वागत गाजियाबाद के वेदांता टोल प्लाजा पर किया गया था।

इनका मकसद भाजपा को हटाना नहीं है

इस गठबंधन को लेकर शिवपाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ओवैसी और चंद्रशेखर भाजपा को सत्ता से नहीं हटाना चाहते हैं।

अभिषेक के आवास के बाहर चला बुलडोजर

फुटपाथ से हटाया गया अस्थायी ढांचा, गेट को कटर से काटा



एजेंसी ▶▶ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास के बाहर बृहस्पतिवार को नगर निकाय ने बुलडोजर चलाकर फुटपाथ पर बना बांस का अस्थायी ढांचा हटा दिया। अधिकारियों ने पैदल यात्रियों की आवाजाही में कथित बाधा बन रहे लोहे के गेट को भी गैस कटर से काटकर हटा दिया। यह कार्रवाई बनर्जी के 121, कालीघाट रोड स्थित आवास के बाहर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की गई। इस दौरान कोलकाता पुलिस और केंद्रीय बलों के जवान तैनात थे। नगर निकाय के कर्मचारियों ने पहले बुलडोजर से ढांचे को गिराया और फिर बांस के खंभे हटाकर फुटपाथ खाली कराया। बनर्जी ने कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बुलडोजर उनकी आवाज को दबा नहीं सकते और न ही उनका संकल्प तोड़ सकते हैं।

अभिषेक बोले लड़ाई जारी रहेगी

अभिषेक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मैं 'बांग्ला विरोधियों' के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। मैं अपनी आखिरी सांस तक न तो पीछे हटूंगा और न ही एक इंच पीछे खिसकूंगा।पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने नगर निकाय की कार्रवाई का बचाव किया। घोष ने संवाददाताओं से कहा कि यह कार्रवाई उचित है, क्योंकि इलाके के लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। अभिषेक खुद को कानून से ऊपर समझते थे। यह ढांचा विवाद का विषय बना हुआ था। टीएमसी का कहना था कि इसे पश्चिम बंगाल सुरक्षा निदेशालय ने बेनर्जी को जेड-प्लस सुरक्षा मिलने के दौरान उनकी सुरक्षा में तैनात कर्मियों के लिए बनवाया था। पार्टी ने इसे सांसद द्वारा कराया गया अनधिकृत निर्माण मानने से इनकार किया था।

अभिषेक ने ईसी को लिखी चिट्ठी

मेरी और मेरे घर-ऑफिस की निगरानी हो रही

अभिषेक ने पार्टी से जुड़े विवाद पर चुनाव आयोग में चल रही सुनवाई के बीच दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने चुनाव आयोग को प्रतिनिधित्व भेजकर अपने आवास-कम-दफ्तर पर निगरानी रखे जाने और वहां दोबारा हमला होने की आशंका जताई है। अभिषेक का दावा है कि भाजपा से जुड़े लोग कुछ पुलिसकर्मियों के समर्थन और मदद से चुनाव आयोग में पेश किए जाने वाले दस्तावेजों और हलफनामों को जबरन अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर सकते हैं।

किसानों की समृद्धि से ही मजबूत होगा देश का भविष्य, एक दशक में कृषि विकास दर 4 फीसदी से अधिक रही

विकसित भारत के निर्माण में कृषि विकास, आधुनिक खेती और किसान सशक्तीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका: प्रधानमंत्री मोदी

▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में कृषि विकास, आधुनिक एवं स्मार्ट खेती और किसानों का सशक्तीकरण सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि केवल भारत की अर्थव्यवस्था का आधार नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा भी है। किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र की मजबूती के बिना विकसित भारत की कल्पना पूरी नहीं हो सकती।

प्रधानमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'किसान तक भारत एग्रीकल्चर कॉन्फ्रेंस' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि और त्योहारों का गहरा संबंध रहा है। देश के अधिकांश त्योहार किसी न किसी रूप में खेती, फसल, प्रकृति और किसानों के जीवन से जुड़े हुए हैं। ऐसे समय में इस सम्मेलन का आयोजन हो रहा है, जब देशभर में त्योहारों का उत्साह है। यह भारतीय समाज में कृषि की सांस्कृतिक और सामाजिक महत्ता को भी दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में देश की कृषि विकास दर चार प्रतिशत से अधिक रही है। आजादी के बाद यह पहला ऐसा दशक है, जब देश के कृषि क्षेत्र ने लगातार इतनी मजबूत विकास दर हासिल की है। उन्होंने इस उपलब्धि को कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों और किसानों की मेहनत का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को अपनाना आवश्यक है। खेती को अधिक उत्पादक, लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए किसानों को नई तकनीकों से जोड़ना होगा। स्मार्ट फार्मिंग और कृषि क्षेत्र में आधुनिक समाधानों का इस्तेमाल भविष्य की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने सम्मेलन के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन कृषि क्षेत्र में सकारात्मक पहल है। उन्होंने इसे किसानों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के बीच संवाद तथा अनुभवों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बताया। दो दिवसीय इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 2,000 किसान हिस्सा ले रहे हैं। इनके अलावा नीति निर्माता, राजनयिक, कृषि उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधि और कृषि वैज्ञानिक भी शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य कृषि क्षेत्र की चुनौतियों, संभावनाओं और भविष्य की जरूरतों पर व्यापक विचार-विमर्श करना है।

सम्मेलन में लगभग 20 प्रगतिशील किसान और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित हस्तियां अपने अनुभव साझा करेंगी। ये किसान खेती में किए गए नवाचारों, आधुनिक कृषि पद्धतियों, विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष और अपनी सफलता की कहानियों के माध्यम से अन्य किसानों को प्रेरित करेंगे। सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं, किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने, आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल तथा कृषि को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने जैसे विषयों पर चर्चा होने की उम्मीद है।प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट है कि कृषि को केवल परंपरागत व्यवसाय के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार से जुड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में विकसित करना होगा। किसानों की भागीदारी, उनकी क्षमताओं का विकास और कृषि क्षेत्र में नए प्रयोग ही विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार करेंगे।

टेक ऑफ के दौरान रनवे से फिसल विमान पायलट सहित सभी सुरक्षित

एजेंसी ▶▶ सोलापुर

महाराष्ट्र के सोलापुर एयरपोर्ट पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब टेक-ऑफ के दौरान एक ट्रेनिंग विमान रनवे से फिसल गया। यह घटना तब हुई जब ट्रेनी पायलट विमान को टेक-ऑफ कराने की कोशिश कर रहा था, जिससे विमान रनवे से बाहर हो गया। पायलट को कोई चोट नहीं आई है। विमान में कितने लोग सवार थे, पता नहीं चल पाया है। विमान आगे की ओर झुका हुआ दिखाई दे रहा है, जिसका अगला हिस्सा जमीन को छू रहा है। ये विमान एक महिला ट्रेनी पायलट उड़ा रही थी।



न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामेश्वर लाल आ०स्व० रामस्वरूप राम निवासी ग्राम ईमलीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 2/421, 2/422, 2/423 रकबा 0.007, 0.007, 0.008 हे० भूमि को अनावेदक निशान्त लाल आ रामेश्वर लाल निवासी ईमलीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास दान करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 30.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दादा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका हरिराम मुखर्जी आ०/पति श्रीनाथ चन्द्र मुखर्जी जाति, निवासी बाबूपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सदर रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2727/1. 2866/1 रकबा 0.09, 1753.15 एकड़, वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-26.11.26 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 12.11.26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका सुनील कुमार आ०/पति सत्यनारायण अग्रवाल जाति, निवासी सेठ बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-ब्रम्हरोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 901/5, 902/4 रकबा 0.031/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-26.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 12.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक एव्हेन्यु सुपरमार्टस अधिकृत केयर लिमिटेड, अंजनेय, हीरानंदानी फाउंडेशन स्कूल के सामने पवई मुंबई महाराष्ट्र की ओर से ऑफ सूर्यकांत वर्मा, निवासी हाउ (रील्लड्ड१ टंल्लौ१ इ४ऽट पैनोरमा बोरिया खुर्द, रायपुर छ०ग० के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक अमित अग्रवाल आ० विजय कुमार अग्रवाल के स्वामित्वया अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला नमनाकला शीट नं. 13 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 483/3 रकबा 5445 वर्गफीट भूमि में से रकबा 4282 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 21.10.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/ आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 13/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सोनहत, जिला कोरिया (छ.ग.)
राजस्व प्रकरण क्रमांक /ब-121/2025-26
ईश्तहार
ग्राम-मधला

सर्वसाधारण ग्रामीण जनता ग्राम मधला प०ह०नं० 12 राजस्व निरीक्षक मण्डल कटगोड़ी तहसील सोनहत जिला कोरिया (छग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक समस्तग्रामवासी नंदकुमार, रामलखन चौधरी वगै. ग्राम मधला स्थित भूमि खसरा नंबर 624 रकबा 4.21 हे0 भूमि शासकीय मद राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। ग्रामवासी ग्राम पंचायत मधला के द्वारा सूर्यवंशी समाज हेतु समशान घाट के लिए भूमि आबंटित किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ खसरा, नक्शा, ग्राम सभा प्रस्ताव की छायाप्रति तथा हल्का पटवारी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः किसी कोई हितबद्ध पक्षकार को भूमि आबंटन करने के संबंध मे आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना चाहते है तो दिनांक 18.11.2026 तक अपना आपत्ति/दावा इस न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकते है। बाद मे प्राप्त आपत्ति/दावा पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

उक्त ईश्तहार आज दिनांक 23.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
सोनहत

पराली जलाने पर 30 हजार तक जुर्माना

अमेठी , पराली जलाने पर किसानों को 30 हजार रुपए तक जुमार्ना देना पड़ सकता है। किसान सम्मान निधि समेत सरकारी योजनाओं का लाभ भी रोका जा सकता है। किसानों को जागरूक करने के लिए डीएम शशांक चौधरी ने कलेक्ट्रेट से प्रचार वाहन रवाना किए। ये वाहन जिले के सभी विकासखंडों और गांवों में जाकर पराली के सही इस्तेमाल, फसल अवशेषों के प्रबंधन और पराली जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी देंगे। यह अभियान फसल अवशेषों के खेत में ही प्रबंधन की योजना के तहत चलाया जा रहा है। डीएम ने किसानों से फसल कटाई के बाद पराली और अन्य फसल अवशेष नहीं जलाने की अपील की। सूक्ष्म जीव व प्राकृतिक पोषक तत्व नष्ट उन्होंने कहा कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी के लाभकारी सूक्ष्म जीव व प्राकृतिक पोषक तत्व नष्ट होते हैं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है। उन्होंने किसानों से कृषि यंत्रों की मदद से पराली को मिट्टी में मिलाने या बायो डीकम्पोजर से खेत में ही गलाने को कहा।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव,

जिला-जशपुर (छ.ग.)

प.क्र. 537/लो.नि.शा./न.पा./2026-27 **पत्थलगांव, दिनांक- 13/11/2026**

-: ई-प्रोक्यूरमेंट प्रथम निविदा सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पजीकृत ठेकेदारों से 15वें वित्त आयोग मद अन्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रूपए लाख में)	अमानत राशि (TDR)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
01	203884	वार्ड क्र.-01, 05, 06, 07, 09, 12 में सीसी रोड़ निर्माण कार्य।	27.56	21,000.00	04/12/2026
02	203888	वार्ड क्र.-08, 13, 15 में सीसी रोड़ निर्माण कार्य।	14.48	11,000.00	04/12/2026
03	203894	वार्ड क्र.-11, 10, 14, 02 में आरसीसी नाली निर्माण कार्य।	30.49	23,000.00	04/12/2026
04	203908	वार्ड क्रमांक-04, 05, 10, 11, 13 वार्डों में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार कार्य।	13.28	10,000.00	04/12/2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव
जिला- जशपुर (छ.ग.)

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में होगा राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राज्यसभा सांसद नितिन नवीन होंगे मुख्य अतिथि, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने दशहरा मैदान पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्थित दशहरा मैदान में राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन होगा। समारोह में विभिन्न जनजाति समाजों के 50 हजार से अधिक लोग सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री नितिन नवीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।समारोह की तैयारियों का जायजा लेने वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी आज धरमजयगढ़ के दशहरा मैदान पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, आवागमन, सुरक्षा, पार्किंग और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी की जाएं। उन्होंने आयोजन स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।इस दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किए जा रहे प्रदर्शनी स्टॉलों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी को इस तरह तैयार किया जाए, जिससे आम नागरिकों के साथ युवा पीढ़ी को जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं, उपलब्धियों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी मिल सके।

जनजातीय विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार जनजातीय इतिहास, संस्कृति और परंपरागत ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचा रही है।उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल



स्मृति दिवस नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली अध्यायों को याद करने का अवसर है। बिरसा मुंडा के साथ ही वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर जैसे नायकों का बलिदान आज भी प्रेरणा देता है।

प्रदर्शनी में दिखेगी विकास की तस्वीर

समारोह में विभिन्न विभागों के स्टॉलों से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, महिला सशक्तिकरण और रोजगार के कार्यों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता भी प्रदर्शित होगी।बस्तर से सरगुजा तक की सांस्कृतिक विविधता प्रदेश की अमूल्य धरोहर है। गौरव सप्ताह से इसके संरक्षण और नई पीढ़ी तक हस्तांतरण का संदेश जाएगा। भगवान बिरसा मुंडा महान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सुधारक और आदिवासी समाज के जननायक थे। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में हुआ था। आदिवासी समाज उन्हें धरती आबा अर्थात धरती का पिता कहकर सम्मान देता है।उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत और जमींदारी व्यवस्था के विरुद्ध समाज को संगठित कर जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए महाविद्रोह का बिगुल फूंका। उन्होंने समाज को कुरीतियों, अंधविश्वास और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। 9 जून 1900 को रांची जेल में उनका निधन हुआ। उनके योगदान के सम्मान में भारत सरकार ने 2021 में उनकी जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया।

किसानों की आर्थिक समृद्धि और खेती को लाभकारी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में हो रहे नवाचार - कृषि मंत्री नेताम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों की आर्थिक समृद्धि और खेती को लाभकारी बनाने के लिए राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण पहल कर रही है। कृषक उन्नति योजना के साथ दलहन-तिलहन, फसल विविधीकरण और श्री अन्न की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।कृषि मंत्री रामविचार नेताम और कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने नवा रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस दौरान संचालक राहुल देव भी मौजूद थे।मंत्री ने बताया कि खरीफ 2023 से 2025 तक 25 लाख से अधिक किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत कुल 35,904 करोड़ 90 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। इसमें खरीफ 2023 में 13,289 करोड़, 2024 में 11,976 करोड़ और 2025 में 10,639 करोड़ रुपये शामिल हैं।

प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की आदान सहायता से किसानों को मिलेगी सुविधा

कृषि मंत्री नेताम ने बताया कि कृषक उन्नति योजना में किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की एक समान आदान सहायता मिलेगी। इससे किसान अपनी सुविधानुसार धान बेच सकेंगे। कम धान बेचने पर भी सहायता का लाभ मिलेगा।धान के बदले



अन्य फसल लेने पर सहायता 11 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। इसमें 52 हजार से अधिक किसानों ने 28 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र का पंजीयन कराया है।दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी व कपास पर 10 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता दी जाएगी। इसके लिए 4.26 लाख किसानों ने 2.66 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र का पंजीयन कराया है। कृषि मंत्री ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत प्रदेश में दलहन एवं तिलहन फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 29 जिलों में 273 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से अरहर, सोयाबीन, चना, मसूर एवं सरसों की कुल 3 लाख 72 हजार 39 क्विंटल खरीदी की गई।इसके एवज में किसानों को 219.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसमें अकेले चना की 3 लाख 54 हजार 127 क्विंटल खरीदी कर 24 हजार 257 किसानों को 207.59 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

श्री अन्न के उत्पादन और प्रसंस्करण को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकृषि मंत्री नेताम ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में कोदो, कुटकी और रागी का उपार्जन मार्कफेड के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए 15 दिसंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक की अवधि निर्धारित है।रागी की खरीदी केंद्र के एमएसपी पर और कोदो-कुटकी की खरीदी राज्य शासन की निर्धारित दर पर होगी। उपार्जित श्री अन्न आंगनबाड़ी, स्कूलों और प्रसंस्करण इकाइयों को दिया जाएगा, जिससे उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और विपणन को भी बढ़ावा मिलेगा।

जनजातीय गौरव दिवसः छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और अस्मिता के सम्मान का महापर्व - राजेश अग्रवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



रायपुर। छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, लोककलाओं और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली से है। जनजातीय समाज ने सदियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ अपनी विरासत को जीवंत रखा है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाया जाने वाला जनजातीय गौरव दिवस हमें जनजातीय नायकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका। छत्तीसगढ़ की धरती भी शहीद वीर नारायण सिंह और भूमकाल विद्रोह के नायक वीर गुंडाधुर जैसे वीरों के शौर्य की साक्षी रही है। बस्तर, सरगुजा, जशपुर, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर जैसे अंचल सांस्कृतिक विविधता के केंद्र हैं। बस्तर दशहरा, गोंचा पर्व, मड़ई मेले, गौर, करमा, सैला, सुआ नृत्य और ढोकरा, लौह, काष्ठ व बांस शिल्प हमारी पहचान हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, कलाकारों को मंच देने और लोककलाओं को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। पर्यटन में भी स्थानीय समुदाय की भागीदारी से समुदाय आधारित पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजातीय गौरव दिवस को राष्ट्रीय महत्व देने से जनजातीय नायकों को व्यापक पहचान मिली है। आइए, संकल्प लें कि जनजातीय विरासत को सहेजेंगे और जनजातीय समाज की समृद्धि, सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रदान किए राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर और फिडे महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख सहित 15 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं, अनुभवी फुटबॉलर इसायाह अरुमाइनयागम को अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) प्रदान किया गया। तेजस्विन शंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स की डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। दूसरी ओर, दिव्या देशमुख ने फिडे महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीतकर भारतीय शतरंज में नया इतिहास बनाया। वह यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

इन खिलाड़ियों को मिला अर्जुन पुरस्कार

अर्जुन पुरस्कार पाने वालों में ट्रैक एंड फील्ड एथलीट मुहम्मद अजमल वरियाथोडी, रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी, मुक्केबाज नरेंद्र, शतरंज खिलाड़ी विदित संतोष गुजराती, पैरा शूटर धनुष श्रीकांत, हॉकी खिलाड़ी लालरेमसियामी ह्यार्जोट और



राजकुमार पाल शामिल हैं। इसके अलावा कबड्डी खिलाड़ी सुरजीत और पूजा, पैरा शूटर रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलीट एकता भ्यान, रोवर अरविंद सिंह और शूटर अखिल श्योराण को भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महिला बैडमिंटन की प्रमुख डबल्स जोड़ी त्रिशा जॉली और पुलेला गायत्री गोपीचंद समारोह में शामिल नहीं हो सकीं। वे जापान मास्टर्स टूर्नामेंट के लिए जापान में हैं।

इसायाह अरुमाइनयागम को अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम)

यह सम्मान ऐसे खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने खेल प्रदर्शन से उल्लेखनीय योगदान दिया हो और संन्यास के बाद भी खेलों के विकास तथा प्रोत्साहन के लिए काम जारी रखा हो।

पांच को द्रोणाचार्य पुरस्कार

एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह, बॉक्सिंग कोच छोटे लाल यादव और धर्मेंद्र सिंह यादव, शूटिंग कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण तथा कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला।

साहसिक खेलों में उपलब्धियों के लिए चार सम्मान

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार 2024 चार श्रेणियों में प्रदान किए गए। बलजीत कौर और स्कलजांग रिग्जिन को लैंड एडवेंचर, रिमो साहा को वॉटर एडवेंचर और शिव प्रसाद चमोली को लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया।

आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार

पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति के हाथों यह पुरस्कार ग्रहण किया।

एक साल से अधिक की देरी से हुआ समारोह

इस बार समारोह के आयोजन में एक साल से अधिक की देरी हुई। आमतौर पर ये पुरस्कार 29 अगस्त को दिए जाते हैं। यह तारीख हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाई जाती है। हालांकि, ओलंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स वाले वर्षों में तारीख इन प्रतियोगिताओं के समापन को ध्यान में रखते हुए तय की जाती है।

उपमुख्यमंत्री साव पथ विक्रेताओं से करेंगे संवाद, नगरीय प्रशासन विभाग और सूडा द्वारा स्वनिधि महोत्सव का आयोजन

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकों और निकायों का होगा सम्मान, लाभार्थियों को चेक, यूपीआई पेमेंट बॉक्स और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे

वित्तीय साक्षरता और डिजिटल भुगतान की जानकारी के साथ फूड स्टॉल, प्रदर्शनी, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव 14 नवम्बर को राजधानी रायपुर में आयोजित स्वनिधि महोत्सव में शामिल होंगे। वे प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्वरोजगार कर रहे पथ विक्रेताओं से सीधा संवाद करेंगे और लाभार्थियों को चेक, यूपीआई पेमेंट बॉक्स तथा प्रशस्ति पत्र वितरित करेंगे। महोत्सव में पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों, उनकी शाखाओं और नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव में पथ विक्रेताओं को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल भुगतान से जोड़ने विशेष सत्र भी आयोजित किया गया है। इनके साथ ही फूड स्टॉल, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक भी महोत्सव में होंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम थीम पर आयोजित स्वनिधि महोत्सव 14 नवम्बर को सुबह दस बजे से साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। महोत्सव का संदेश श्आत्मनिर्भर भारत, सशक्त शहरी विकास, स्वरोजगार से नई संभावनाएंश रखा गया है।

उपमुख्यमंत्री करेंगे पुरस्कार वितरण, पथ विक्रेताओं के अनुभव भी जानेंगे

महोत्सव में उपमुख्यमंत्री अरुण साव लाभार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जानेंगे। वे पीएम स्वनिधि योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाली राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, बेहतर प्रदर्शन करने वाले बैंकों एवं उनकी शाखाओं को सम्मानित करेंगे। योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली नगरीय निकायों को पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

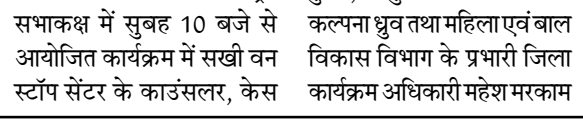
वित्तीय साक्षरता और डिजिटल भुगतान पर विशेष सत्र

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि महोत्सव में वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया है। इसमें भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न बैंकों तथा राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के अधिकारी जानकारी देंगे। डिजिटल पेमेंट एग्रीगेटर्स द्वारा डिजिटल भुगतान अभियान के बारे में बताया जाएगा। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक भी होंगे। स्वनिधि महोत्सव की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप करेंगे। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल और श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा तथा अनुज शर्मा, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे।

टायर फटने से बेकाबू ट्रक मकान के अगले हिस्से में घुसा, सांड की मौत

लखनऊ।निगोहां थाना क्षेत्र के मदापुर मंदिर चौराहे के पास गुरुवार देर शाम एक तेज रफ्तार ट्रक का टायर फटने से बड़ा हादसा हो गया। अनियंत्रित ट्रक डिवाइडर तोड़ते हुए सड़क की दूसरी पटरी पर स्थित मकान के अगले हिस्से में जा घुसा। हादसे में एक सांड की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मकान और दुकानों के सामने लगा टीनशेड क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि हादसे से कुछ देर पहले ही मकान मालिक और उनकी पत्नी घर के अंदर चले गए थे, वहीं मोमोज की दुकान लगाने वाला युवक भी दुकान बंद कर जा चुका था। इससे एक बड़ा हादसा टल गया।जानकारी के अनुसार निगोहां क्षेत्र के मस्तीपुर निवासी पृथ्वीपाल यादव का मदापुर मंदिर चौराहे पर हाईवे किनारे मकान है, जिसमें वह पत्नी और बच्चों के साथ रहते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गुरुवार शाम करीब आठ बजे के करीब लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक का अगला दाहिना टायर अचानक फट गया।

महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में छह जिलों के अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और उनसे जुड़े विधिक प्रावधानों की प्रभावी जानकारी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने धमतरी में एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। राष्ट्रीय महिला आयोग के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने की। प्रशिक्षण में धमतरी के साथ रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, कांकेर और बालोद जिले के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।धमतरी के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यक्रम में सखी वन स्टॉप सेंटर के काउंसलर, केस वर्कर और मेडिकल पर्सन, संरक्षण अधिकारी, पुलिस विभाग के वूमेन हेल्प डेस्क के प्रतिनिधि तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में कार्यरत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों को संबंधित कानूनों की जानकारी देना और उनके कार्यों में आवश्यक समन्वय के विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यक्रम में आयोग की सदस्य सरला कोसरीया और दीपिका सोरी, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, आयोग के सचिव रमेश साहू, अपर कलेक्टर इंदिरा नवीन देवहारी, संयुक्त कलेक्टर प्रीति दुर्गम, अनुविभागीय अधिकारी कल्पना ध्रुव तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश मरकाम उपस्थित थे। प्रशिक्षण सत्र में जिला बाल संरक्षण अधिकारी आनंद पाठक ने बाल अधिकारों से संबंधित कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम (जेजे एक्ट) और पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों पर चर्चा की। इसके बाद धनंजय तिवारी ने महिलाओं के अधिकारों से जुड़े कानूनों की तकनीकी जानकारी देते हुए भारतीय न्याय संहिता, घरेलू हिंसा से संबंधित कानून और महिलाओं के संरक्षण के लिए लागू अन्य विधिक प्रावधानों के बारे में बताया। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, कुरूद, रागिनी मिश्रा (तिवारी) ने महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका और सखी वन स्टॉप सेंटर के साथ पुलिस विभाग के समन्वय के विषय पर जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि इन मामलों में संबंधित संस्थाओं और विभागों के बीच समन्वय किस प्रकार महत्वपूर्ण है।

नहाय, खाय के साथ प्रारम्भ हुआ सूर्योपासना का महापर्व छठ

0 समिति के द्वारा की जा रही महापर्व की व्यापक तैयारियां, दुल्हन की तरह सज रहा रेणुका का तट
0 कलेक्टर व एसपी ने घाट पहुंचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को नहाय खाय के साथ तीन दिनो तक चलने वाला सूर्योपासना का महापर्व छठ प्रारम्भ हो गया। आज शनिवार 14 नवम्बर को खरना, घाट बंधान एवं रविवार 15 नवम्बर को व्रतियों द्वारा अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को अर्धय दिया जाएगा। सोमवार 16 नवम्बर को उदयीमान भगवान सूर्य को अर्पय देने के साथ महापर्व का समापन होगा। छठ महापर्व को लेकर छठ पूजा समिति के द्वारा रेणुका नदी के तट स्थित छठ घाट में साफ सफाई एवं श्रद्धालुओ की सुविधा के दृष्टिगत व्यापक व्यवस्थाओ के साथ रेणुका के तट को रंग बिरंगे रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। जहां शहर सहित आसपास क्षेत्र से बड़ी संख्या में व्रती परंपरानुसार पूजन अर्चन पश्चात भगवान भष्कर अर्षय देंगे। वहीं शहर के नए बाजारपारा स्थित छठ तालाब में भी साफ सफाई के साथ अन्य व्यवस्थाएं की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, सीएसपी विशाल गर्ग, एसडीएम प्रशांत कुशवाहा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरलीमनोहर सोनी, नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने रेणुका नदी स्थित छठ घाट का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने प्रशासनिक स्तर पर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी कर्मचारियों को दिए है। जबकि नगर पालिका की पूरी टीम छठ घाट पर समुचित व्यवस्था करने के लिए जुटी हुई है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा एवं यातायात की चकाचौबंद व्यवस्था के लिए भी पुलिस कप्तान योगेश पटेल ने यातायात प्रभारी बृजकिशोर पांडेय को निर्देश दिए है। स्थानीय कलाकारों के द्वारा छठ महापर्व पर छठी मईया के भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी।





घाटों पर पुलिस अधिकारी व जवानों की रहेगी कड़ी चौकसी

लोक आस्था के इस महापर्व को पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने शुक्रवार को शहर के रेणुका नदी के तट स्थित छठ घाट का जायजा लिया जहां घाट की सफाई सहित समुचित व्यवस्था को दुरूस्त करने की कवायत तेजी से जारी है। उन्होंने छठ घाट पर लाइटिंग के साथ गोताखोर और मेडिकल टीम की तैनाती समेत कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि जिले में जिन-जिन स्थानों पर छठ पर्व मनाया जाता है वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध किए है। छठ पूजा के दौरान पूरे जिले भर में विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, पुलिस के जवान को तैनात किए जायेंगे।

शहर की व्यवस्था सुगम बनाने मुस्तैद रहेगी पेट्रोलिंग टीम

छठ घाट के अलावा शहर की भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए पुलिस की कई पेट्रोलिंग टीमें लगातार मुस्तैद रहेगी, घाट पर अस्थाई पुलिस कन्ट्रोल रूम बनाया जायेगा। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर कन्ट्रोल रूम के नम्बर पर सूचना दी जा सकती है।रेड़ नदी मुख्य छठ घाट पर उमड़ने वाली भीड़, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों से भी चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति द्वारा व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की जा रही तैयारी की भी जानकारी ली और कई जरूरी निर्देश भी दिए। यातायात प्रभारी को वाहनों की पार्किंग के उचित इंतेजाम करने के निर्देश दिए। समिति की ओर से ब्रतियो एवं श्रद्धालुओ की सुविधा के लिए की जा रही तैयारी पर संतोष जताया। इस दौरान छठ पूजा समिति गणेश सोनी, अनिल गुप्ता, सुनील विश्वकर्मा, गोविन्द साहू, संतोष सोनी, पंकज चौबे, प्रदीप सोनी, सुनील सोनी, संजय सोनी, श्रवण जैन, सूरज अवस्थी, भोला कुशवाहा, विकी मिश्रा, प्रवीण विश्वकर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भारी वाहन रहेंगे प्रतिबंधित

पुलिस ने छठ पर्व को लेकर रविवार 15 नवम्बर की दोपहर 1 बजे से सोमवार 16 नवम्बर की सुबह 10 बजे तक महगवां चौक से रिंग रोड़ कर्मा चौक तक सभी भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया है। इसी प्रकार उक्त अवधि समय पर विश्रामपुर से भटगांव मार्ग, दतिमा से विश्रामपुर तक सभी भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।

कुबेरपुर में पत्नी की दर्दनाक मौत के बाद पति की संदिग्ध मृत्यु पर मंत्री लक्ष्मी सख्त

मंत्री बोलीं- नहीं बक्शे जाएंगे दोषी, निष्पक्ष जांच के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्राम कुबेरपुर में चंद्रावती जायसवाल की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद अब उनके पति संजय जायसवाल की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु के मामले को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने गंभीरता से लिया है। मंत्री लक्ष्मी ने संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि जांच में किसी भी प्रकार का दबाव, पक्षपात अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इस दुखद घटनाक्रम के प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। यदि जांच में किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता, किसी प्रकार की प्रताड़ना अथवा आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने जैसे तथ्य सामने आते हैं, तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कोई भी दोषी किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पूर्व में हुई सड़क दुर्घटना, उसके बाद उत्पन्न परिस्थितियों, दर्ज प्रकरणों तथा मृतक संजय जायसवाल की मृत्यु से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्षता से पड़ताल की जाए। साथ ही परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों को भी गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक तथ्य का सत्यापन किया जाए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। किसी निर्दोष के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और किसी दोषी को संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। शासन की प्राथमिकता पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना और पूरे मामले की सच्चाई सामने लाना है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना में माता-पिता दोनों को खो चुके मासूम बच्चों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके संरक्षण, शिक्षा एवं भविष्य की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने दोहराया कि इस मामले में निष्पक्ष जांच के माध्यम से सच्चाई सामने लाई जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।



पोड़ी मोड़ में आज सजेगी लोकसंस्कृति की महफिल, करमा-ददरिया गीतों पर झूमेंगे ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। लक्ष्मी पूजा के पावन अवसर पर पोड़ी मोड़ में आज शनिवार की रात लोकसंस्कृति और पारंपरिक संगीत का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। क्षेत्र में धार्मिक उत्साह के बीच सांस्कृतिक रंग बिखेरने के लिए समिति एवं ग्रामीणों ने विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया है। कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। आयोजन प्राथमिक शाला पोड़ी मोड़ के खेल मैदान में किया जाएगा, जहां रात्रि 10 बजे से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू होगा। इस आयोजन में गायक रमेश दास अपनी गायकी का जलवा बिखेरेंगे। उनके द्वारा सरगुजा अंचल की पारंपरिक लोकसंस्कृति को गीत-संगीत के माध्यम से जीवंत किया जाएगा। कार्यक्रम में करमा, ददरिया सहित सरगुजिहा लोकगीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इन गीतों में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की खुशबू, ग्रामीण जीवन की झलक और आदिवासी अंचल की सांस्कृतिक विरासत की मिठास देखने-सुनने को मिलेगी। सरगुजा अंचल में करमा और ददरिया केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि यहां की परंपरा, पहचान और सामाजिक जीवन से गहराई से जुड़े हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लक्ष्मी पूजा के अवसर पर इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों की अपनी अलग पहचान होती है। पूजा-अर्चना के साथ गीत-संगीत और लोकनृत्य का आयोजन आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता को मजबूत करता है। आयोजन समिति एवं ग्रामीणों ने क्षेत्र के सभी लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

जिले के 60 खरीदी केंद्रों में कल से समर्थन मूल्य पर किसान बेच सकेंगे धान, इस वर्ष 2541 नए किसानों ने कराया पंजीयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से प्रारंभ होगा। इस वर्ष जिले के 60 हजार किसानों ने धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया है। किसानों की सुविधा के लिए जिले में 60 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 6 नवीन उपार्जन केंद्र भी शामिल हैं। सभी केंद्रों में खरीदी की आवश्यक तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। जिले के कुल 65990 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया था, जबकि वर्ष 2026-27 में यह संख्या बढ़कर 68531 हजार हो गई है। पिछले वर्ष की तुलना में 2541 नए किसानों ने पंजीयन कराया है। किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने से लेकर धान विक्रय तक की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक पंजीकृत किसान को बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेचने का अवसर मिले।



किसानों की सुविधा और खरीदी व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष जिले में 6 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए गए हैं। नवीन केंद्रों को मिलाकर जिले में धान उपार्जन केंद्रों की संख्या 60 हो गई है। इन केंद्रों में 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जाएगी। शासन के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पंजीकृत किसान प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान का विक्रय कर सकेंगे। इस वर्ष कॉमन धान का समर्थन मूल्य 2,441 रुपये तथा ग्रेड-ए धान का समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

तुंहर टोकन एप से घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे टोकन

किसानों की सुविधा के लिए शासन द्वारा 'तुंहर टोकन' एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसान इस एप के जरिए घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकेंगे। जिसकी प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू हो चुकी है। अब तक 976 किसानों ने सुविधा का लाभ लेते हुए अपना ऑनलाइन टोकन कटवाया है। इससे उपार्जन केंद्रों में अनावश्यक भीड़ और किसानों की भागदौड़ कम होगी तथा खरीदी प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक एवं पारदर्शी बनेगी।

अवैध परिवहन एवं भंडारण पर रहेगी कड़ी निगरानी

धान खरीदी के दौरान अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं अन्य अनियमितताओं की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक निगरानी व्यवस्था की गई है। जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में कुल 04 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इनमें ग्राम नवाटोला, चौपता पुल ग्राम विशालपुर, ग्राम खोंड एवं ग्राम रेवटी शामिल हैं। इन चेकपोस्टों के माध्यम से धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण पर निगरानी रखी जाएगी।

कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में धान खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी बनाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उपार्जन केंद्रों में बारदानों की उपलब्धता, पेयजल, छाया, बैठक व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए किसानों से सुव्यवस्थित ढंग से धान खरीदी सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं।

रसौकी और रामगढ़ में हाथियों का तांडव, 15 किसानों के धान की फसल चौपट

ग्रामीणों को मूवमेंट की सूचना नहीं देने पर विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात रसौकी और रामगढ़ क्षेत्र में जंगली हाथियों के दल ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने खेतों में पहुंचकर किसानों की धान की खड़ी फसल को खाकर और रौंदकर बर्बाद कर दिया। एक ही रात में करीब 15 किसानों की फसल प्रभावित होने से ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ गई है। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रसौकी बीट में लगभग 11 जंगली हाथियों का दल विचरण कर रहा था। इस दल में छोटे हाथी भी शामिल हैं। हाथियों ने पी-518 के समीप लगे राजस्व क्षेत्र में 9 किसानों की धान की फसल को खाकर और कुचलकर नुकसान पहुंचाया। इसके बाद हाथियों का दल पी-518 और पी-522 से होकर बरंगा बीट की ओर चला गया। विभागीय जानकारी के अनुसार हाथियों के सेमरिया, सुकतरा, रसौकी और मोहरसोप की ओर जाने की संभावना जताई गई है।



वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत रामगढ़ में भी बीती रात हाथियों ने करीब आधा दर्जन किसानों की धान की फसल को नुकसान पहुंचाया। प्रभावित किसानों में रामप्रताप सिंह, रामधनी सिंह, महगु सिंह और प्रसराम सिंह सहित अन्य किसान शामिल हैं। हाथियों द्वारा लगातार फसल बर्बाद किए जाने से किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फिर रहा है।

लोकेशन के बावजूद ग्रामीणों नहीं दी जाती जानकारी

क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि हाथियों के मूवमेंट की जानकारी होने के बावजूद गांवों में समय पर मुनादी नहीं कराई जाती। न ही ग्रामीणों को हाथियों के संभावित रास्तों और उनकी लोकेशन की जानकारी दी जाती है। गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र रिहंद टाइगर रिजर्व और बिहारपुर वन विभाग की सूचना व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग समय रहते हाथियों की लोकेशन और आवाजाही की जानकारी गांवों तक पहुंचाए तो लोग अपने परिवार, बच्चों और मवेशियों को सुरक्षित रख सकते हैं। लेकिन मुनादी और अलर्ट व्यवस्था नहीं होने से कभी भी बड़ी घटना होने की आशंका बनी हुई है।

शावक की मौत के बाद भी नहीं चेता विभाग

कुछ दिन पहले जुड़वानिया लालमाटी जंगल के पास सड़क किनारे एक हाथी के शावक का शव मिला था। बताया गया था कि शव करीब दो से तीन दिन पुराना था। इस घटना के बाद भी हाथियों की निगरानी और विभागीय सतर्कता को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की निगरानी व्यवस्था मजबूत होती तो ऐसी घटनाओं की जानकारी समय रहते मिल सकती थी।

सैकड़ो किसानों की फसल बर्बाद, ग्रामीण भयभीत

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में अब तक सैकड़ों किसानों की फसलों को हाथियों द्वारा नुकसान पहुंचाए जाने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की कार्रवाई फसल क्षति का आकलन और क्षतिपूर्ति तक ही सीमित रह जाती है। जंगल किनारे कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को डर है कि रात के अंधेरे में हाथियों का दल गांव में घुसकर मकानों को नुकसान पहुंचा सकता है और जनहानि भी हो सकती है। ग्रामीणों ने गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र रिहंद टाइगर रिजर्व और बिहारपुर वन विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि प्रभावित गांवों में तत्काल मुनादी कराई जाए, हाथियों की लोकेशन की जानकारी नियमित रूप से दी जाए, रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई जाए और प्रभावित किसानों को उचित क्षतिपूर्ति दी जाए।

टाइगर रिजर्व के जंगलों में लकड़ी तस्करों का आतंक, धड़ल्ले से हो रही बेशकीमती पेड़ों की कटाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के जंगलों में अवैध लकड़ी कटाई और तस्करी का मामला सामने आ रहा है। मोहरसोप से लगे जुड़वानिया के ललमट्टा जंगल सहित कई वन क्षेत्रों में कथित तौर पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। आरोप है कि जंगलों से बेशकीमती लकड़ियां काटकर सीमावर्ती रास्तों के माध्यम से मध्यप्रदेश भेजी जा रही हैं। स्थानीय स्तर पर मिल रही जानकारी के अनुसार, केवल लालमाटा जंगल ही नहीं, बल्कि पूर्वी बैजनपाठ, लूल्ह, कोल्हुआ, रसौकी और कछवारी के जंगल भी लकड़ी तस्करों के निशाने पर हैं। इन क्षेत्रों में लगातार पेड़ों की कटाई कर लकड़ियों को बाहर निकालने की शिकायतें मिल रही हैं। बताया जा रहा है कि तस्कर लकड़ी परिवहन के लिए दोपहिया बाइक और चारपहिया वाहनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा कंधे पर लकड़ी लादकर भी परिवहन किए जाने की बात सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, जंगलों से लकड़ी निकालकर मध्यप्रदेश पहुंचाने के लिए पथारीपारा, भाटपारा और मकराद्वारी बैरियर की ओर जाने वाले रास्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण तस्करों को लकड़ी बाहर ले जाने में आसानी हो रही है। यदि समय रहते इन रास्तों पर निगरानी नहीं बढ़ाई गई तो जंगलों की बेशकीमती संपदा को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

प्रभारी रेंजर की निगरानी पर सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि लकड़ी तस्करी की जानकारी विभागीय अधिकारियों को देने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।



शिकायत करने पर विभाग की ओर से स्टाफ की कमी होने की बात कही जाती है। वहीं, क्षेत्र में प्रभारी रेंजर के कभी-कभार ही पहुंचने को लेकर भी स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का सवाल है कि जब टाइगर रिजर्व के जंगलों में लगातार अवैध कटाई की शिकायतें मिल रही हैं, तो नियमित गश्त और निगरानी क्यों नहीं की जा रही है।लगातार सामने आ रही लकड़ी तस्करी की शिकायतों ने टाइगर रिजर्व की वन सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने जंगलों में नियमित गश्त बढ़ाने, सीमावर्ती रास्तों पर निगरानी रखने और लकड़ी तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

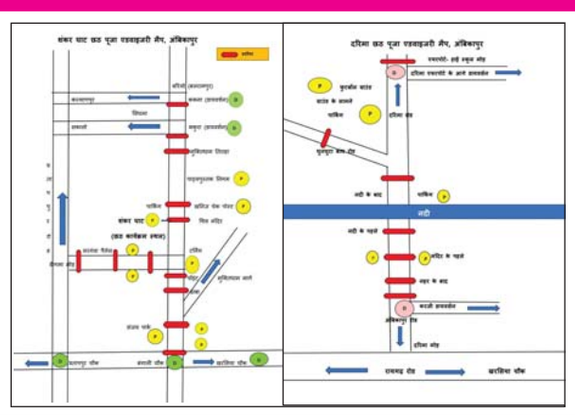
होगी कार्रवाई

मामले की जानकारी पर गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व बैकुंठपुर की डीएफओ श्रीमती श्वेता कंबोज ने लकड़ी जब्त करने के साथ जांच और संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही है।

छठ महापर्व को लेकर सरगुजा पुलिस अलर्ट, 400 जवान तैनात

13 घाटों पर गोताखोर और अग्निशमन की व्यवस्था, रूट एडवाइजरी जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूर्य षष्ठी (छठ) महापर्व को लेकर सरगुजा पुलिस ने सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए हैं। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर जिले भर में 400 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती की गई है। साथ ही मालवाहक वाहनों के शहर में प्रवेश को लेकर रूट एडवाइजरी भी जारी की गई है। पुलिस द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार 14 नवंबर को दोपहर 12 बजे से 16 नवंबर सुबह 10 बजे तक शहर और रिंग रोड में मालवाहक/भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। हर घाट पर प्रशिक्षित गोताखोर, अग्निशमन टीम, फिक्स पिकेट, पेट्रोलिंग पार्टी और सादे कपड़ों में पुलिस टीम तैनात रहेगी ताकि भीड़ में चेन स्नेचिंग और असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। 5 पेट्रोलिंग और 2 बाइक पेट्रोलिंग टीमें 2 शिफ्ट में लगातार गश्त करेंगी।



भारी वाहन इन जगहों पर रोके जाएंगे

दरिमा मोड़ रायगढ़ रोड, सांडबार बैरियर बिलासपुर रोड, अजिरमा बैरियर मनेंद्रगढ़ रोड, एफसीआई गोदाम चठिरमा बनारस रोड, ककना मोड़ रामानुजगंज रोड, आरटीओ ऑफिस के पास प्रतापपुर रोड।

घाटों पर 244 जवान और गोताखोर

छठ के दौरान जिले के कुल 13 प्रमुख घाटों पर 244 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। सबसे ज्यादा भीड़ वाले खर्रा नदी घुनघुट्टा बांध और शंकरघाट पर 45-45 जवानों की तैनाती की गई है।

यात्री बसों के लिए बदला रूट

रायपुर-रायगढ़ जाने वाली व बनारस-वाड्रफनगर-मनेंद्रगढ़ की ओर जाने वाली बसें यथावत चलेंगी। प्रतापपुर जाने वाली बसें गांधी चौक, अंबेडकर चौक, बनारस रोड, साईं कॉलेज, डिगमा, सरगवां होकर जाएंगी। रामानुजगंज जाने वाली बसें गांधी चौक, अंबेडकर चौक, बनारस रोड, साईं कॉलेज, डिगमा, सरगवां, चिखलाडीह, सिधमा, ककना होकर जाएंगी। शंकरघाट-घुनघुट्टा जाने वाली गाड़ियां भकुरा नवापारा होकर सरगवां सकालो से निकलेंगी।

यहां वाहन पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित

संजय पार्क के सामने चार पहिया, सूटन ढाबा के पास दो पहिया, खनिज बैरियर और मोंटफोर्ट स्कूल के पास, घुनघुट्टा नदी के पास चार पहिया और नदी के पूर्व में दो पहिया वाहनों के लिए पार्किंग तय की गई है।

निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने 10 लाख की सीसी सड़क बनाने का आरोप

नगर पंचायत के पार्षदों ने उठाए सवाल, बोले-आम जनता के लिए उपयोगी नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। सरगुजा जिले का लखनपुर नगर पंचायत एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार वजह है वार्ड क्रमांक 06 और 07 में कराया गया सीसी रोड निर्माण। नगर पंचायत परिषद की सामान्य बैठक खत्म होते ही यह निर्माण विवादों के घेरे में आ गया। नगर पंचायत उपाध्यक्ष और कई पार्षदों ने मौके पर पहुंच कर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और इसे नियमों के खिलाफ बताते हुए जमकर नाराजगी जताई।

निरीक्षण दौरान नगर पंचायत उपाध्यक्ष नेहा सनी बंसल, वार्ड पार्षद पूनम राकेश साहू, पार्षद शमीम खान, लक्ष्मी सिंह राठौर और एल्डरमैन प्रदीप गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद पार्षद पूनम राकेश साहू ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखित शिकायत सौंप कर पूरे मामले की जांच और निर्माण पर रोक की मांग की है।

पार्षद पूनम राकेश साहू ने अपने शिकायत पत्र में कहा है कि जिस जगह पर सीसी रोड का निर्माण कराया गया है, वहां इसकी कोई उपयोगिता ही नहीं है। इस मार्ग से आम लोगों का आवागमन नहीं होता है। न तो वार्ड के लोगों ने इस सड़क की मांग की थी, न ही परिषद में इस सड़क की आवश्यकता पर कोई चर्चा हुई थी। इसके बावजूद लगभग 10 लाख रुपये की शासकीय राशि खर्च कर सड़क बना दी गई। पार्षद ने इसे सरकारी धन का खुला दुरुपयोग बताया है। शिकायत में सबसे गंभीर आरोप यह है कि सड़क निर्माण के दौरान राजस्व और वन भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। जिस जमीन पर सड़क बनाई गई है वह राजस्व और वन विभाग की है। इसके लिए न तो राजस्व विभाग से और न ही वन विभाग से कोई अनुमति ली गई। बिना अनुमति और वैधानिक प्रक्रिया का पालन किए बिना ही निर्माण कार्य करा दिया गया। पार्षद ने आरोप लगाया है कि यह सड़क आम जनता के लिए नहीं बल्कि किसी निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बनाई गई है। सड़क सीधे तौर पर एक निजी जमीन और निजी निर्माण की ओर जाती है, जिससे आम नागरिकों को कोई फायदा नहीं मिलने वाला। नगर पंचायत के पैसों से निजी पहुंच मार्ग बनाने का यह मामला है। उन्होंने इस सड़क की स्वीकृति किस आधार पर हुई, किस मद से पैसा लिया गया और टेंडर प्रक्रिया का पालन हुआ या नहीं, इसकी भी जांच पर जोर दिया है। कहा गया है कि परिषद के कई सदस्यों को इस निर्माण की जानकारी तक नहीं दी गई। फिलहाल पार्षद की शिकायत के बाद लखनपुर नगर पंचायत में हड़कंप मचा हुआ है। नगर में चर्चा है कि आखिर बिना जरूरत की जगह पर 10 लाख की सड़क क्यों बनाई गई? क्या वाकई में वन भूमि पर अतिक्रमण हुआ है? अब सबकी निगाहें नगर पंचायत प्रशासन की जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।





कलेक्टर तक जाने की चेतावनी-पार्षद पूनम राकेश साहू ने सीएमओ से मांग की है कि, इस पूरे निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और अगर अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी भी दी है कि अगर नगर पंचायत स्तर पर इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं होती है तो वह शिकायत को लेकर सरगुजा कलेक्टर के पास जाएंगी और उच्च स्तर पर जांच की मांग करेंगी। **शिकायत मिली है, करेंगे जांच**-इस पूरे मामले में मुख्य नगर पालिका अधिकारी विद्यासागर चौधरी ने कहा कि पार्षद की ओर से सीसी रोड निर्माण को लेकर शिकायत पत्र मिला है। आवेदन का अवलोकन करने के बाद ही इस संबंध में कुछ कहा जा सकेगा और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

उत्तर वाहिनी घाट पर भव्य और दिव्य छठ महापर्व की तैयारी

युवा आयोग अध्यक्ष ने छठ घाट में अंतिम तैयारियों का जायजा लिया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर ने शुक्रवार को ग्रामीण क्षेत्रों तक लोकप्रिय श्री राम छठ घाट का निरीक्षण किया। शहर के उदयपुर ढाब के आगे स्थित उत्तर वाहिनी नदी घाट पर श्री राम छठ पूजा सेवा समिति द्वारा हर साल की तरह इस साल भी भव्य आयोजन किया जा रहा है। युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय ने घाट पर किए गए कार्यों का जायजा लिया और समिति के सदस्यों से व्यवस्था को लेकर चर्चा की। घाट को पूरी तरह से सजा दिया गया है। नदी के किनारे पर व्रतियों के लिए सफेद चूने से बेदी, अर्घ्य स्थल बनाई गई हैं, पीले-सफेद टेंट और झालरों से पूरे परिसर को सजाया गया है। सुरक्षा के लिए नदी में बैरिकेडिंग, वाहन पार्किंग और लाइटिंग की व्यवस्था भी की गई है। युवा आयोग अध्यक्ष ने बताया कि 15 और 16 नवंबर को छठ महापर्व का मुख्य अर्घ्य है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी उदयपुर ढाब के आगे स्थित पवित्र उत्तर वाहिनी नदी पर श्री राम छठ पूजा सेवा समिति द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यहां स्वच्छ, सुरक्षित और अद्भुत भक्ति का वातावरण देखने को मिलेगा।



क्यों खास है यह घाट-बता दें कि यह नदी उत्तर दिशा की ओर बहती है, इसलिए इसे उत्तर वाहिनी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उत्तर वाहिनी नदी में छठ पूजा करना अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। इसी कारण हर साल यहां काफी संख्या में व्रती भगवान भास्कर को अर्घ्य देने पहुंचने लगे हैं।

इंस्टाग्राम में पहचान के बाद शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

जानकारी के मुताबिक 25 वर्षीय पीड़िता वर्तमान में गांधीनगर थाना क्षेत्र में किराए के मकान में अपने मासूम बच्चे के साथ रहती है। पति के द्वारा साथ छोड़ने के बाद वह सिलाई-बुनाई का काम करके अपना जीवन यापन कर रही है। लगभग दो साल पहले उसकी पहचान फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए बोदीटोला, महाराजगंज, जिला बलरामपुर निवासी इस्तफार अंसारी से हुई थी। महिला ने पहले ही उसे बता दिया था कि वह शादीशुदा है और पति उसे छोड़ चुका है। इसके बावजूद आरोपी ने उसे पसंद करने की बात कहते हुए शादी करके बच्चे को भी अपनाने की बात कही। पीड़िता के अनुसार, आरोपी लगातार इंस्टाग्राम पर उससे शादी की बात करता था और मिलने की इच्छा जताता था। उसकी बातों में आकर महिला उसे अपने किराए के घर में बुला ली। इसके बाद बीते 23 सितंबर की रात करीब 9 बजे आरोपी पहली बार उसके कमरे में आया, और रात में खाना खाने के बाद शादी का झांसा देकर उसकी इच्छा के विरुद्ध पहली बार दुष्कर्म किया। 18 अक्टूबर तक आरोपी बीच-बीच में उसके कमरे पर आते रहा और शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाता था। बाद में आरोपी ने दूसरी जाति का होने की बात कहकर शादी करने से इन्कार कर दिया। शिकायत पर गांधीनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

ताला तोड़कर 85 हजार नकद सहित एक लाख का सामान पार

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरों ने एक चाय दुकान को निशाना बनाते हुए 85 हजार रुपये नकद और काफी सामान चोरी कर लिया।

जानकारी के मुताबिक, विकास कुमार मालाकार पिता राजकुमार माली 39 वर्ष का वार्ड क्रमांक 1 श्रीराम चैक में विकास चाय दुकान है। 9 नवंबर की रात करीब 8 बजे वह रोज की तरह दुकान बंद करके घर चले गए थे। अगले दिन 10 नवंबर को भोर में करीब 4.30 बजे जब वे दुकान खोलने आए तो देखा कि काउंटर और बक्से का ताला टूटा हुआ है। अंदर रखा करीब 85 हजार रुपये नकद और गुटखा, सिगरेट सहित अन्य सामान गायब था। कोतवाली थाने में दिए गए लिखित आवेदन पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोर का पता लगाने में लगी है।

बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों पर मंथन

धरमजयगढ़ कार्यक्रम में सहभागिता को लेकर बनी रणनीति

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल लखनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियों और छत्तीसगढ़ के धरमजयगढ़ में आयोजित होने वाले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के कार्यक्रम में सहभागिता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अनुराग सिंह देव, कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल तथा भाजपा मंडल प्रभारी नीलेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अपने संबोधन में अनुराग सिंह देव ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के महत्व को बताया। उन्होंने संगठनात्मक एकजुटता के साथ बढ़-चढ़कर सहभागिता की अपील की। कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का धरमजयगढ़ प्रवास संगठन की एकजुटता, जनजातीय गौरव और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने और समय पर तैयारियां पूर्ण करने को कहा। बैठक में जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, दिनेश साहू, रजनी सिंह, मंडल महामंत्री महेश्वर राजवाड़े, सुरेश साहू, यतेन्द्र पांडेय, लक्ष्मण साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



जनजातीय समाज वोट बैंक नहीं, भारत की आत्मा हैं

सांसद चिंतामणि महाराज ने पत्रवार्ता में दी आयोजन से संबंधित जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए जनजातीय समाज वोट बैंक नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ जनजातीय समाज विकसित भारत 2047 का मजबूत आधार बन रहा है। संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में 11 से 18 नवम्बर तक मनाए जा रहे 'जनजातीय गौरव सप्ताह' अंतर्गत आयोजित प्रेसवार्ता को वे संबोधित कर रहे थे।

'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' का दिया नारा

सांसद ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित कर जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलिहातू में जन्मे बिरसा मुण्डा ने 'उलगुलान' महाक्रांति का नेतृत्व करते हुए 'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' का नारा दिया था। उन्होंने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लगभग एक सदी पहले ही तिलका मांझी, सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, वीर नारायण सिंह, टंट्या भील, रानी दुर्गावती, अल्लूरी सीताराम राजू, कोमराम भीम और रानी गाइदिन्ल्यू जैसे जनजातीय नायकों ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष शुरू कर दिया था।



मोदी सरकार ने दिया राष्ट्रीय सम्मान-सांसद चिंतामणि महाराज ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान को राष्ट्रीय पहचान दी। वर्ष 2023 में पीएम ने स्वयं उलिहातू पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पीएम जनमन अभियान का शुभारंभ किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अलग जनजातीय कार्य मंत्रालय बनाया और छत्तीसगढ़-झारखंड राज्य बनाए, वहीं मोदी सरकार में द्रौपदी मुर्मू देश की पहली जनजातीय महिला राष्ट्रपति बनीं। उन्होंने बताया कि जनजातीय कार्य मंत्रालय का बजट 2014-15 के 4,497 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 14,926 करोड़ हो गया है। पीएम जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, एकलव्य विद्यालय, वन अधिकार पट्टा, पेसा कानून, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं से समाज को नई दिशा मिली है।

कांग्रेस पर साधा निशाना-विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक जनजातीय समाज को केवल वोट बैंक समझा, नायकों को इतिहास में उचित स्थान नहीं दिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, महापौर मंजूषा भगत, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, फुलेश्वरी सिंह, अरुणा सिंह, रूपेश दुबे सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नशाखोरी, हुड़दंग और मॉडिफाइड साइलेंसर पर सख्त कार्रवाई की मांग

कैट ने नवपदस्थ सीएसपी से विविध पहलुओं पर की चर्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सरगुजा की टीम ने शहर के नवपदस्थ नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक वसाड़े से सौजन्य मुलाकात किया। कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र तिवारी के नेतृत्व में हुई इस मुलाकात में शहर के कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

कैट के पदाधिकारियों ने शहर में बढ़ रही नशाखोरी, हुड़दंग और तेज रफ्तार बाइकर्स पर चिंता जताते हुए मोटरसाइकिलों में साइलेंसर बदल कर तेज आवाज करने और तेज रफ्तार में उत्पात मचाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। इसके अलावा मल्टीपरपज स्कूल मैदान, कॉलेज मैदान, पॉलिटेक्निक मैदान और बीटीआई मैदान में रात के समय खुलेआम चल रही शराबखोरी (ओपन बार) पर प्रभावी रोक लगाने, शहर में बढ़ते नशे के कारोबार और असामाजिक तत्वों पर सख्ती बरतने, रात में पुलिस गश्त बढ़ाने का आग्रह किया है, ताकि आम नागरिक और व्यापारी सुरक्षित महसूस करें।

सीएसपी प्रतीक वसाड़े ने कैट पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि शहर में कानून-व्यवस्था और अमन-चैन बनाए रखने के लिए पुलिस हर जरूरी कदम उठाएगी। नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर कैट के संरक्षक सुनील अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रंजय स्वर्णकार, उपाध्यक्ष सतीश अग्रवाल, मंत्री अमित अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजू छाबड़ा, पूर्व अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल और महामंत्री अभिषेक सिंह मौजूद रहे। कैट ने कहा कि सुरक्षित शहर, शांतिपूर्ण माहौल और भयमुक्त व्यापार के लिए संगठन प्रशासन के साथ हमेशा सहयोग करता रहेगा।



तालाब में मिला लिपिक का शव, मृतक 4 दिनों से था लापता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के बाबूपारा इलाके में शुक्रवार दोपहर उस वक्त सनसनी फैल गई जब सेंट्रल जेल अधीक्षक के सरकारी आवास के ठीक पीछे स्थित तालाब में एक व्यक्ति का शव तैरते नजर आया। तालाब में शव देखने के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी खबर दी। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी रितेश चौधरी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। शव का अधिकांश हिस्सा पानी में डूबा हुआ था और सिर्फ सिर बाहर दिखाई दे रहा था। तालाब में झाड़ियां और कचरा भरा होने के कारण शव को बाहर निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस द्वारा शव बाहर निकालकर शिनाख्त कराई गई तो मृतक की पहचान सीताराम लकड़ा के रूप में हुई। मृतक बाबूपारा का ही रहने वाला था और कृषि विभाग, लखनपुर में सहायक ग्रेड-3, लिपिक के पद पर पदस्थ था। स्वजन ने बताया कि सीताराम पिछले 4 दिनों से घर से लापता था। वे लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। मृतक शराब पीने का आदी था। मृतक का मकान भी घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर है।



हत्या या आत्महत्या, पुलिस कर रही जांच-एडिशनल एसपी रितेश चौधरी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है। पुलिस ने मौके पर पंचनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि यह अनुपयोगी तालाब है जो कचरे और घास से पटा पड़ा है। आखिर मृतक वहां कैसे पहुंचा? क्या उसने खुद तालाब में छलांग लगाई या किसी ने घटना को अंजाम देकर शव को वहां फेंका? पुलिस दोनों ही एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा।

स्लम एरिया के बच्चों के साथ सेवा भावी बहनों ने मनाई दीवाली



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दीपावली की रौशनी जब हर घर में थी, तब शहर की कुछ सेवा भावी बहनों ने अपनी खुशियां उन बच्चों के साथ बांटी जिनके घरों में अंधेरा था। हर साल की तरह इस साल भी समाजसेवी महिलाओं के समूह ने जरूरतमंद बच्चों के साथ दीपावली का त्योहार मनाया। सामाजिक सरोकार से जुड़ी इस पहल में पिछले 25 सालों से लगातार सहयोग दे रहे मुकेश अग्रवाल द्वारा पटाखों का, पंचशील ने लड्डू का और जायसवाल होटल की ओर से सहयोग मिला। वंदना दत्ता, च्यति अग्रवाल, अनुभा डबराल, लिली बसु रॉय, स्मिता तिवारी और अर्चना दीक्षित ने खैरवार, कंपनी बाजार और स्लम एरिया में घूम-घूम कर बच्चों को पटाखे, मिठाइयां और कपड़े बांटे, जिससे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान उभर आई। इस नेक काम में शहर की कई अन्य सेवा भावी बहनों ने भी बढ़-चढ़ कर सहयोग किया। डॉ. पुष्पा सोनी, शारदा अग्रवाल, संतोष पांडे, नीलिमा गोयल, आशा राणा, मधु चौदहा, नीलिमा मिश्रा, विक्की कथूर, बलविंदर टुटेजा, पूनम जायसवाल, सरिता भाटिया, रश्मि गुप्ता, किरण भाटिया, हिना परवीन, अंजुम शमीम, तुलसी शर्मा, श्रद्धा खेरपांडे, विमला यादव, पूर्णिमा केसरवानी, ज्योति चोपड़ा, सपना चोपड़ा, मंजू सिंह, नमिता चावला, रानी वाधवा, मीनाक्षी अग्रवाल और सिम्मी छाबड़ा ने मिलकर लगभग 100 गर्म कपड़े और अन्य कपड़ों का सहयोग किया। सेवा भावी बहनों ने कहा कि त्योहार की असली खुशी बांटने में है। जब जरूरतमंद बच्चे नए कपड़े पहन कर पटाखे फोड़ते हैं तो उससे बड़ा संतोष और कुछ नहीं। शहर में इन महिलाओं की इस पहल की हर तरफ सराहना हो रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर